भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज शुद्धता, ईमानदारी और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है, वही सच अर्थों में समृद्ध होता है; क्योंकि धन से नहीं, स्वस्थ और जागरूक नागरिकों से राष्ट्र का भविष्य बनता है।जो व्यक्ति रिश्तों की जड़ों को सींचता है, वही जीवन के हर तूफ़ान में मजबूती से खड़ा रहता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-59 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 18 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

स्वास्थ्य के सौदागर : मिलावट का ज़हर और मौन व्यवस्था

आज का भारत प्रगति, तकनीक और बाजार की चकाचौंध में आगे बढ़ता दिखाई देता है, लेकिन इसी चमक-दमक के पीछे एक भयावह सच्चाई छिपी है–मिलावट का वह ज़हर, जो चुपचाप देश की युवा संपदा को निगल रहा है। मुनाफे की अंधी दौड़ में कुछ लोग केवल उत्पाद नहीं बेच रहे, बल्कि आमजन का स्वास्थ्य, विश्वास और भविष्य दांव पर लगा रहे हैं। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का स्पष्ट प्रमाण है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज बाजार में शुद्धता केवल पैकेट पर लिखे शब्दों तक सिमट कर रह गई है। दूध, घी, मावा, पनीर, दही और मिठाइयाँ–जो कभी पोषण और सात्विकता का प्रतीक थीं– आज मिलावटखोरी के सबसे बड़े शिकार हैं। दूध में पानी मिलाना तो पुरानी बात हो गई, अब केमिकल से 'दूध जैसा' पदार्थ तैयार कर अवैध फैक्ट्रियों में खुलेआम बेचा जा रहा है। यह केवल धोखा नहीं, बल्कि धीमा ज़हर है, जिसका असर वर्षों बाद बीमारियों के रूप में सामने आता है। विडंबना यह है कि जिन इलाकों में पशुधन नाममात्र का है, वहां दूध और घी का उत्पादन क्विंटलों में दिखाया जा रहा है। सवाल उठता है– जब घर में एक बकरी या गाय भी नहीं, तो यह दूध और घी कहां से आ रहा है? सच्चाई यह है कि यह देसी घी नहीं, बल्कि वनस्पति, केमिकल और मिलावट का घातक मिश्रण है, जिसे 'शुद्ध' बताकर बेचा जा रहा है। शेखावाटी अंचल, विशेषकर चिड़ावा कस्बा, कभी अपनी मिठाइयों और पेड़ों की गुणवत्ता के लिए देश-दिसावर में पहचाना जाता था। आज वही पहचान मिलावट की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। प्रसिद्धि के नाम पर गर्व से सिर उठाने वाले लोग अब मौन साधे बैठे हैं, क्योंकि कुछ मुनाफाखोरों ने सामूहिक प्रतिष्ठा को भी गिरवी रख दिया है। यह केवल एक कस्बे की कहानी नहीं, बल्कि देश के लगभग हर छोटे-बड़े बाजार की हकीकत बन चुकी है।

सर्दी के मौसम में देसी घी और उससे बने खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। इसी मांग का फायदा उठाकर मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। परचून की दुकानों पर 'देवताओं की ज्योत-बत्ती' के नाम पर खरीदा गया वनस्पति घी, दूध में मिलाकर उबाला जाता है, मक्खन जमाया जाता है और फिर उसी से 'देसी घी' बनाकर ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। यह दृश्य केवल धोखे का नहीं, बल्कि उस सामाजिक पतन का है जहां आस्था, परंपरा और स्वास्थ्य–तीनों को एक साथ ठगा जा रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि प्रशासन का रवैया अक्सर मौन रहता है। छापे कभी-कभार लगते हैं, लेकिन स्थायी और कठोर कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है। खाद्य सुरक्षा विभाग की सीमित सक्रियता, संसाधनों की कमी और कहीं न कहीं मिलीभगत की आशंका इस गोरखधंधे को और बढ़ावा देती है। जब कानून ढीला पड़ता है, तो मिलावटखोरी बेलगाम हो जाती है। इसका सबसे बड़ा शिकार आम नागरिक और विशेषकर युवा पीढ़ी है। मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारण पाचन तंत्र की बीमारियाँ, हार्मोनल असंतुलन, कैंसर जैसी गंभीर समस्याएँ बढ़ रही हैं। यह केवल वर्तमान की समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला है। जिस युवा शक्ति पर देश का भविष्य टिका है, वही धीरे-धीरे इस ज़हर से कमजोर की जा रही है। अब समय आ गया है कि मिलावट के खिलाफ केवल शिकायत नहीं, बल्कि जन आंदोलन खड़ा किया जाए। उपभोक्ताओं को जागरूक होना होगा–सस्ता और चमकदार देखकर खरीदना बंद करना होगा। स्थानीय स्तर पर शुद्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन देना, संदिग्ध उत्पादों का बहिष्कार करना और मिलावट की सूचना संबंधित विभागों तक पहुंचाना हर नागरिक का दायित्व बनता है। साथ ही प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। नियमित जांच, सख्त दंड, लाइसेंस रद्दीकरण और सार्वजनिक रूप से दोषियों के नाम उजागर करने जैसे कदम ही इस व्यापार पर लगाम लगा सकते हैं। यह केवल कानून का सवाल नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वास्थ्य और नैतिकता का प्रश्न है।

अंततः, 'शुद्ध के लिए युद्ध' केवल नारा नहीं, बल्कि समय की मांग है। यदि आज हमने मिलावट के खिलाफ आवाज नहीं उठाई, तो कल हमारी थाली में केवल भोजन नहीं, बीमारी परोसी जाएगी। स्वास्थ्य के सौदागरों के खिलाफ चेतना, संघर्ष और सामूहिक जिम्मेदारी ही इस ज़हर का प्रतिरोध कर सकती है। यही समाज और राष्ट्र के प्रति सच्ची सेवा होगी।

मिलावट का मायाजाल : थाली से तिजोरी तक ज़हरीला कारोबार

चिड़ावा की प्रसिद्ध मिठाइयों से उठता विश्वास, रसूखदार मिलावटखोरों पर प्रशासन मौन

भीम प्रज्ञा सर्च स्टोरी@ रजनीकांत मिश्रा, चिड़ावा।

शेखावाटी अंचल में शुद्धता, सादगी और सात्विक भोजन की पहचान अब गंभीर संकट में दिखाई देने लगी है। मुनाफे की अंधी दौड़ में मिलावटखोरों ने आमजन के स्वास्थ्य को दांव पर लगा दिया है। चकाचौंध और आकर्षक पैकिंग के पीछे छिपा ज़हर आज हर थाली तक पहुंच चुका है, लेकिन न तो उपभोक्ता जाग रहा है और न ही प्रशासन की आंख खुल रही है। खाद्य पदार्थों में मिलावट अब अपवाद नहीं, बल्कि एक संगठित गोरखधंधा बन चुका है। दूध से लेकर मावा, पनीर, दही, मिठाइयों और देसी घी के बूंदी लड्डू तथा देसी घी तक–हर वस्तु में मिलावट खुलेआम की जा रही है। पहले दूध में पानी मिलाना आम था, जिसे लोग किसी तरह स्वीकार भी कर लेते थे, लेकिन अब रसायनों से दूध तैयार करने की अवैध फैक्ट्रियां पनप चुकी हैं। यही रासायनिक दूध आगे चलकर मावा, पनीर और मिठाइयों का आधार बन रहा है।

जन आंदोलन की जरूरत

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, हृदय रोग, पेट की गंभीर बीमारियों और कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र का बड़ा कारण बन रहे हैं। ऐसे में केवल प्रशासन के भरोसे बैठना पर्याप्त नहीं है। समाज को जागरूक होकर शुद्ध के लिए युद्ध छेड़ना होगा। उपभोक्ताओं को सवाल पूछने होंगे, मांग करनी होगी और मिलावट के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करना होगा। यह ग्राउंड रिपोर्ट केवल एक कस्बे की कहानी नहीं, बल्कि पूरे शेखावाटी की सच्चाई है। यदि अब भी आंखें बंद रखी गईं, तो आने वाली पीढ़ियां इस मिलावट का खामियाजा अपनी सेहत से चुकाएंगी। अब समय आ गया है कि रसूखदार मिलावटखोरों पर ठोस कार्रवाई हो और शुद्ध भोजन का अधिकार आमजन को वापस मिले।

घी का खेल और बड़ा मुनाफा

सर्दी के मौसम में देसी घी की मांग बढ़ते ही मिलावटखोरी चरम पर पहुंच जाती है। कई ऐसे गांव और ढाणियां हैं जहां पशुधन नाममात्र का है, फिर भी क्विंटलों के हिसाब से घी बाजार में बिक रहा है। एक परचून दुकान पर किए गए प्रत्यक्ष अवलोकन में सामने आया कि कुछ लोग वनस्पति घी खरीदकर उसे 'देवताओं की ज्योत-बत्ती' के नाम पर ले जा रहे थे, जबकि असलियत में उसी घी को दूध में उबालकर, मक्खन जमाकर और मथनी से मथकर देसी घी के नाम पर बेचा जा रहा है। यह सीधा-सीधा उपभोक्ताओं के साथ धोखा और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

चिड़ावा की मिठाइयों पर सवाल

शेखावाटी के चिड़ावा कस्बे की मिठाइयों, विशेषकर देसी घी के बेसन बूंदी लड्डू व पेड़ों की प्रसिद्धि देश-दिसावर तक रही है। कभी गुणवत्ता और स्वाद के लिए पहचाना जाने वाला यह कस्बा आज मिलावटी मिठाइयों के कारण बदनामी की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुद्धता के नाम पर केवल नाम और पैकिंग बची है, भीतर से मिठाइयां रसायनों और वनस्पति घी का मिश्रण बन चुकी हैं। इससे न केवल आमजन का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि वर्षों से बनी प्रतिष्ठा भी धूमिल हो रही है।

बदले खान पान से बड़ा मेडिकल का व्यापार

खानपान में बढ़ती मिलावट का नतीजा यह है कि अस्पतालों की लंबी कतारें बढ़ रही हैं। मेडिकल व्यापार भी बड़ा है। जहां बड़ी मारामारी है। हर व्यक्ति डर और अनिश्चितता के साये में जी रहा है–क्या खा रहा है, यह उसकी समझ से परे होता जा रहा है। स्वास्थ्य अब भोजन से नहीं, बल्कि दवाइयों और अस्पतालों से जुड़ता जा रहा है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक उदासीनता का भी दर्पण है। मिलावट के इस ज़हर के खिलाफ जनचेतना और सामूहिक संघर्ष की आवश्यकता है। जब तक उपभोक्ता सवाल नहीं पूछेगा और शुद्धता की मांग नहीं करेगा, तब तक मुनाफाखोरों का यह मायाजाल यूं ही फैलता रहेगा। अब समय है कि समाज जागे और शुद्ध के लिए संगठित होकर आवाज़ उठाए।

मसाले में मिलावट का कारोबार

बाजार में मुनाफाखोरों का ऐसा दबदबा हो गया है कि किसी भी वस्तु की शुद्धता पर भरोसा करना मुश्किल होता जा रहा है। चमकदार पैकिंग और आकर्षक नामों के पीछे छिपा ज़हर आमजन की थाली तक पहुंच चुका है। मसालों में रंग, रसायन और नकली तत्वों की मिलावट तेजी से बढ़ रही है। लाल मिर्च, हल्दी, धनिया जैसे आवश्यक मसाले अब स्वाद और स्वास्थ्य के बजाय केवल रंग और दिखावे का माध्यम बनते जा रहे हैं। इसी तरह बाजार में डुप्लीकेट उत्पादों की बाढ़ आ गई है, जहां असली ब्रांड की नकल कर नकली माल बेचा जा रहा है और उपभोक्ता अनजाने में बीमारी खरीद रहा है। आटे की स्थिति भी चिंताजनक है। छह-छह महीने तक आटे का खराब न होना यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर उसमें कौन-से रसायन मिलाए जा रहे हैं। कभी गांव-गली और मोहल्लों में चलने वाली आटा चक्कियां अब लगभग गायब हो चुकी हैं। यह परंपरागत व्यवस्था धीरे-धीरे बंद होकर कॉरपोरेट और फैक्ट्री आधारित उत्पादन में बदल गई है, जहां शुद्धता से अधिक मुनाफा प्राथमिकता बन चुका है।

शादी-ब्याह में दूध का सवाल

हैरानी की बात यह है कि सामान्य दिनों में जहां शुद्ध दूध मिलना मुश्किल हो जाता है, वहीं शादी-ब्याह के मौसम में अचानक दूध, मावा और पनीर की बाढ़ आ जाती है। पनीर की सब्जियां, मिठाइयों के ढेर और घी से बने व्यंजन पंडालों में सज जाते हैं। सवाल उठता है कि यह दूध और मावा आखिर आता कहां से है? जानकारों का कहना है कि यह पशुधन का नहीं, बल्कि मिलावटखोरी और कालाबाजारी का परिणाम है।

प्रशासन की चुप्पी और रसूखदारों का डर

सबसे गंभीर चिंता का विषय यह है कि मिलावट के इस खुले खेल पर प्रशासन मौन है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई नाममात्र की है, जबकि रसूखदार मिठाई व्यवसायी बेखौफ होकर यह कारोबार चला रहे हैं। कहीं-कहीं छिटपुट जांच होती भी है तो वह केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है।

जेकेके में डॉ. सुषमा महाजन की प्रदर्शनी शुरू

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया उद्घाटन, बोलीं- वाटरकलर में साकार होती संवेदनाएं कल्पना से परे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जवाहर कला केन्द्र की अलंकार आर्ट गैलेरी में वाटर कलर आर्टिस्ट डॉ. सुषमा महाजन की कला प्रदर्शनी मेलोडी ऑफ कलर्स की शनिवार से शुरुआत हुई। इसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने किया। दीया कुमारी ने यहां प्रदर्शित डॉ. सुषमा महाजन की 60 जलरंग कृतियों को निहारने और उनका बारीकी से

अवलोकन करने के बाद कहा कि डॉ. सुषमा महाजन की ओर से तैयार ये कला कृतियां निश्चित ही उत्कृष्ट और अद्भुत हैं। जलरंगों में साकार होती संवेदनाएं कल्पना से परे हैं। डॉ. सुषमा द्वारा ये जल रंग कृतियां बहुत बारीकी से उकेरी गई हैं, जिनमें वाइब्रेन्ट रंग और उनकी कलात्मकता मानवीय संवेदनाओं का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

झुंझुनूं एसपी ने मेहाड़ा थाने का निरीक्षण किया

बृजेश ज्योति उपाध्याय बोले- हरियाणा सीमा पर प्रभावी गश्त से अपराधियों पर लगेगी लगाम

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने शनिवार को हरियाणा सीमा पर स्थित मेहाड़ा थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र की विस्तृत जानकारी ली और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। एसपी उपाध्याय ने बताया कि मेहाड़ा थाना क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा हरियाणा

सीमा से सटा हुआ है। अपराधी अक्सर घटनाओं को अंजाम देने के बाद हरियाणा भाग जाते हैं। ऐसे में सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रभावी पुलिसिंग कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वर्तमान में बढ़ रहे साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त की। एसपी ने आमजन को अनजान कॉल से सतर्क रहने और बैंक संबंधी जानकारी किसी से साझा न करने की सलाह दी। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने और सहयोग करने का आह्वान किया। एसपी ने कस्बे में जाम की समस्या को लेकर भी संज्ञान लिया और जल्द प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने थाने में लंबित मामलों का निस्तारण करने, रिकॉर्ड का उचित संधारण करने और मालखाने का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। परिवाद लेकर आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने पर भी जोर दिया गया।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, तभी सरकार की मंशा पूरी होगी

आदिवासी संस्कृति भारत की ताकतः सांसद मंजू शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और सामूहिक जीवन-दर्शन भारत की ताकत हैं। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि आदिवासी युवाओं को शिक्षा, तकनीक और नेतृत्व के अवसरों से जोड़ते हुए उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया जाए। ऐसे कार्यक्रमों से विभिन्न राज्यों के आदिवासी युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और जीवनशैली को समझने का अवसर मिलता हैं। इससे न केवल आपसी संवाद मजबूत होता है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना और भी प्रबल होती है। अमिटी विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार के माय भारत केन्द्र में17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सांसद मंजू शर्मा ने ये बातें कही।

सरकारी योजनाओं से बदली तस्वीर

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व में आदिवासी समाज के लिए विशेष रूप से योजनाएँ तैयार की गई हैं। उन्होंने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, वनबंधु कल्याण योजना, पीएम जनजाति विकास मिशन, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे आदिवासी युवाओं को शिक्षा और स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने आदिवासी युवाओं के जीवन में नए अवसर और नया आत्मविश्वास पैदा किया है।

आदिवासी युवाओं से आह्वान

शर्मा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी पहचान और संस्कृति पर गर्व करते हुए आधुनिक शिक्षा और तकनीक को अपनाएं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं की जानकारी लें, उनका लाभ उठाएं और समाज के विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा तभी पूरी होगी, जब योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और इसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। इस अवसर पर माय भारत पश्चिम के क्षेत्रीय निदेशक कृष्ण लाल पारचा, उप निदेशक (राजस्थान) ऋतु रानी, एमिटी कुलपति प्रो. अमित जैन और जिला युवा अधिकारी पंकज यादव सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पपुरना में ओवरलोड डंपरों से ग्रामीण परेशानः

रात्रि चौपाल में बोले- समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे अधिकारी, आए दिन हो रहे हैं हादसे

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी उपखंड के पपुरना स्थित शहीद भगवान सिंह राजकीय स्कूल परिसर में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में ओवरलोड डंपरों के संचालन से हो रहे हादसों और पुलिस-प्रशासन की कथित लापरवाही का मुद्दा उठाया। कलेक्टर ने आमजन की समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि ओवरलोड डंपरों में ऊपर तक पत्थर भरकर लाए जाते हैं, जिससे पत्थर गिरने से कई बार हादसे हो चुके हैं। ये डंपर पपुरना के आबादी क्षेत्र के बीच से गुजरते हैं, जिससे किसी बड़े हादसे का डर बना रहता है। ग्रामीणों ने ओवरलोड डंपरों से होने वाली परेशानियों को लेकर उपखंड स्तर पर कई बार शिकायतें की हैं। हालांकि, उनका आरोप है कि पुलिस और प्रशासन इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है। इस पर जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने एसडीएम सुनील चौहान को निर्देश दिए कि वे माइनिंग विभाग, पुलिस और ग्रामीणों के साथ बैठक कर इस समस्या का आवश्यक समाधान निकालें। चौपाल में अन्य समस्याएं भी उठाई गईं। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निरंजन लाल सैनी ने करमाड़ी के प्राथमिक स्कूल भवन की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की। इसके अलावा, बबाई में बंदरों का आतंक, पानी की समस्या, बिजली लाइनों की मरम्मत और क्षतिग्रस्त सड़कों जैसे मुद्दे भी सामने आए। कलेक्टर ने चौपाल में आई सभी समस्याओं का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में एसडीएम सुनील चौहान, सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर, तहसीलदार सुनील कुमार, बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव, संजय देव गुर्जर, सुनील नायक, गफ्फार खान, इस्लाम खान, अजय सुरोलिया, धूड सिंह सहित अनेक ग्रामीण और अधिकारी मौजूद थे।

टीबी : प्रारंभिक अवस्था में इलाज नहीं कराने पर जानलेवा साबित होती है बीमारी

भारत में हर तीन मिनट में दम तोड़ देते हैं दो मरीज

टीबी एक ऐसा रोग है जिसे प्रारंभिक अवस्था में नहीं रोकने पर यह जानलेवा साबित होता है। टीबी एक बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण होता हैं। टीबी को अन्य कई नामों से जाना जाता है, जैसे तपेदिक, क्षय रोग तथा यक्ष्मा। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में सात करोड़ लोग इससे ग्रस्त हैं। प्रत्येक वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। देश में हर तीन मिनट में दो मरीज टीबी के कारण दम तोड़ देते हैं। हर दिन चालीस हजार लोगों में इसका संक्रमण हो जाता है। इसे फेफड़ों का रोग माना जाता है, लेकिन यह फेफड़ों से रक्त प्रवाह के साथ शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकता है। हड्डियां, उनके जोड़, लिम्फ ग्रंथियां, आंत, मूत्र व प्रजनन तंत्र के अंग, त्वचा और मस्तिष्क के ऊपर की झिल्ली आदि टीबी से प्रभावित होते हैं। टीबी के बैक्टीरिया सांस द्वारा शरीर में प्रवेश करते हैं। किसी रोगी के खांसने, बात करने, छींकने या थूकने के समय बलगम व थूक की छोटी-छोटी बूंदें हवा में फैल जाती हैं, जिनमें उपस्थित बैक्टीरिया कई घंटों तक हवा में रह सकते हैं और स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में सांस लेते समय प्रवेश कर रोग पैदा करते हैं। रोग से प्रभावित अंगों में छोटी-छोटी गांठ अर्थात ट्यूबरकल्स बन जाते हैं। उपचार न होने पर धीरे-धीरे प्रभावित अंग अपना कार्य करना बंद कर देते हैं और यही मृत्यु का कारण हो सकता है।

यह है क्षय रोग, ऐसे हैं लक्षण

क्षय रोग एक संक्रामक रोग है, जो पहले से ही ग्रस्त रोगी के संपर्क में आने पर, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने, बैक्टीरिया, खानपान में कोताही बरतने के कारण हो सकता है। आमतौर पर क्षय रोग तीन प्रकार का होता है, फुफ्सीय क्षय रोग, पेट का क्षय रोग व हड्डी क्षय रोग। टीबी होने पर व्यक्ति को खांसी, सीने में दर्द व हल्का बुखार होने के साथ-साथ अन्य कुछ लक्षण भी नजर आते हैं, जैसे उसे बेहद कम भूख लगती है और उसका वजन भी कम होने लगता है। क्षय रोग से पीड़ित व्यक्ति को थकावट का अहसास होता है और उसे अक्सर रात में पसीना आता है। इसके अतिरिक्त कमर की हड्डी में सूजन, घुटने में दर्द, घुटने मोड़ने में कठिनाई तथा गहरी सांस लेने में सीने में दर्द होना भी क्षय रोग का लक्षण है। वहीं जिन लोगों को पेट का क्षय रोग होता है, उन्हें पेट दर्द, अतिसार या पेट फूलने जैसी समस्याएं भी होती हैं।

ऐसे करें पहचान

तीन सप्ताह से अधिक खांसी टीबी हो सकती है। ऐसे में इसकी पहचान के लिए बलगम की जांच करवानी चाहिए। कई बार इसकी पहचान के लिए एक्स-रे व अन्य जांच भी करवाई जाती है। क्षय रोग की पहचान के बाद दवाइयों के जरिए ही उसका इलाज किया जाता है। इस दवा के जरिए शरीर में पैदा हुए टीबी के जीवाणुओं को खत्म किया जाता है। इन दवाओं का कोर्स तीन महीने से लेकर नौ महीने तक का होता है। टीबी के इलाज के दौरान एक बात का खास ध्यान रखना होता है कि दवाओं का कोर्स कभी भी बीच में न छोड़ें। कुछ लोग आराम होने के बाद दवाइयां लेना बीच में ही छोड़ देते हैं, जिससे दोबारा टीबी होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह रख सकते हैं ध्यान

जो व्यक्ति टीबी से पीड़ित है और उसका इलाज चल रहा है, तो उसे कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो आप अपने मुंह को ढककर रखें, ताकि आपके कारण अन्य व्यक्ति इस बीमारी से पीड़ित न हों। साथ ही छींकते व खांसते हुए मुंह को ढककर रखें। दवाइयों के साथ खानपान का पूरा ध्यान रखें और कुछ दिन घर पर ही रहने का प्रयास करें। टीबी का रोग गाय में भी पाया जाता है। दूध में इसके जीवाणु निकलते हैं और बिना उबाले दूध को पीने वाले व्यक्ति रोगग्रस्त हो सकते हैं। ऐसा करने से बचें।

त्वचा में पोषक तत्व देकर नई चमक लाता है हायड्राफेशियल

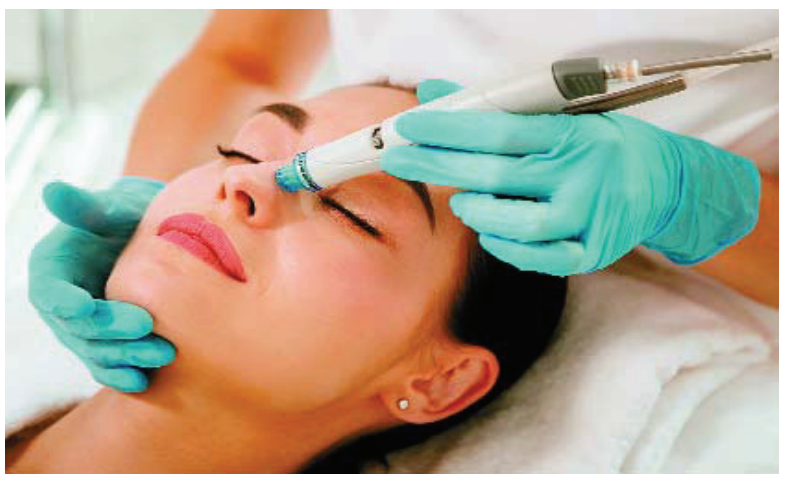

विषैले तत्वों की भी करता है सफाई

जयपुर। त्वचा की चमक को पुनर्जीवित करने के लिए अब कई ऐसी तकनीकें आ गई हैं जिससे आप न केवल त्वचा की चमक को वापस पा सकते हैं बल्कि त्वचा को पोषक तत्व दे और विषैले तत्व निकाल भी सकती हैं। ऐसी ही एक तकनीक है हायड्रोफेशियल। यह एक तकनीक आधारित ट्रीटमेंट प्लान है। अपने नाम के अनुरूप यह ट्रीटमेंट स्किन में नमी बनाए रखने के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट्स तथा पोषक तत्व भी पहुंचाता है। यह स्किन केयर के क्षेत्र में नई सौगात है। यह लिक्विड बेस्ड एक्सफोलिएशन है।

क्या होता है हायड्राफेशियल ट्रीटमेंट

प्लास्टिक सर्जन डॉ. सुनीश गोयल ने बताया कि यह ट्रीटमेंट कई चरणों में पूरा होता है। इसमें क्लीनिंग, एक्सफोलिएशन, वैक्यूम बेस्ड पेनलैस एक्सट्रेक्शन, हाइड्रेशन और पोषक पदार्थों का सम्मिश्रण एक के बाद एक लगाया जाता है। हायड्राफेशियल में क्लीनिंग और एक्सफोलिएशन, एसिड पील, वैक्यूम एक्सट्रेक्शन व इम्बिबेशन कर त्वचा की सफाई से लेकर उसे पोषक तत्व देने का काम किया जाता है। हायड्राफेशियल से त्वचा साफ भी होती है और उसे पोषण भी मिलता है। यह प्रक्रिया त्वचा को विषैले तत्वों से मुक्त करती है और उसकी चमक पुनः लौट आती है। प्रक्रिया के बाद चेहरे पर नमी 5 से 7 दिन तक कायम रहती है।

ये होंगे फायदे

महीने में एक बार यह प्रक्रिया कराने से चेहरे की त्वचा का गहरा रंग भी हल्का हो जाता है व महीन रेखाएं गायब हो जाती हैं। त्वचा पुनर्जीवित होती है और कोई तकलीफ नहीं होती है। ट्रीटमेंट के बाद मेकअप लगाया जा सकता है। आप तत्काल काम पर लौट सकते हैं।

एसिडिटी को कैसे करें काबू, जानिए घरेलू उपाय

एसिडिटी कोई नई बीमारी नहीं है, लेकिन आधुनिक जीवन शैली के बुरे प्रभाव के कारण इसके खतरे का स्तर बढ़ता जा रहा है। आमतौर पर खट्टी डकार आना, पेट फूलना, सीने और पेट में जलन एसिडिटी के लक्षण माने गए हैं। साधारण खाना खाने वाले को भी कभी-कभी ऐसा हो सकता है, लेकिन वक्त-बेवक्त खाना खाने वालों के साथ ही ज्यादा स्पाइसी, तला-गला पसंद करने वालों और ज्यादा शराब पीने वालों में यह बीमारी खतरनाक हो सकती है। चिकित्सकों के अनुसार पेट के अम्लीय पदार्थों का खाने की नली में आ जाना एसिडिटी का मुख्य कारण होता है। लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहे तो शरीर के अंदरूनी अंगों को नुकसान पहुंचता है।

घरेलू उपाय

- कुछ सरल प्राकृतिक उपायों की मदद से एसिडिटी का इलाज किया जा सकता है। जिन लोगों को अक्सर इसकी समस्या रहती है, वे रात को सोने से पहले एक गिलास गुनगुना पानी पीएं। खाना खाते समय या खाना खाने के ठीक बाद पानी पीने से बचें। खाना खाने के करीब 15 मिनट तक कुछ न खाएं। जब शरीर को पानी की जरूरत होगी, वह अपने आप मांग लेगा।
- एसिडिटी के इलाज में तुलसी रामबाण दवा है। जैसे ही एसिडिटी की समस्या हो, तुलसी के कुछ पत्ते चबा लें। तत्काल आराम मिलेगा। इसके अलावा तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालकर काढ़ा बनाया जा सकता है।
- दालचीनी पाचन के लिए अच्छी होती है। एक कप पानी में आधा चम्मच दालचीनी डालें और उबाल लें। इसको ठंडा होने पर दिन में चार से पांच बार पिएं। सलाद या सूप में दालचीनी का उपयोग किया जा सकता है।
- छाछ भी एसिडिटी का कारगर उपाय है। छाछ में लैक्टिक एसिड होता है, जो एसिडिटी को सामान्य करने में मदद करता है। छाछ में काली मिर्च और धनिया की पत्तियां मिलाकर सेवन करें। छाछ में मैथी बीज का पेस्ट मिलकर सेवन करने से एसिडिटी से होने वाला पेट दर्द दूर हो जाता है।
- पेट में ज्यादा जलन हो रही है तो लौंग चबाएं। इसके उपयोग का दूसरा तरीका है, लौंग को क्रश कर लें और उतनी ही मात्रा में इलायची मिलाकर खाएं। इससे एसिड की समस्या से निजात पाने में मदद मिलेगी।
- इसके अलावा जीरा, अदरक, गुड़ और सौफ को किसी भी रूप में लिया जाए, एसिडिटी में मदद करते हैं। दूध गैस्ट्रिक एसिड को स्थिर करता है। कैल्शियम में समृद्ध होने के कारण दूध पेट में एसिडिटी बढ़ने से रोकता है।
- डॉ. वीके राजलक्ष्मी के अनुसार, जिन लोगों में एसिडिटी की अधिक शिकायत रहती है, उन्हें फल और सब्जियों का सेवन अधिक करने की सलाह दी जाती है। खाना थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खाएं ।

जागरुकता से पाई जा सकती है निजात

ओस्टियोपोरोसिस से झुकने या खांसने पर भी हो जाता है फ्रैक्चर

जयपुर। हड्डियों की गंभीर बीमारी ऑस्टियोपोरोसिस के बारे में लोगों में जागरुकता तो फैली है लेकिन फिर भी इसके मामले बढ़ रहे हैं। यह समस्या महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है, लेकिन पुरुष

भी इससे अछूते नहीं है। यह हड्डियों को कमजोर और नाजुक बनाती है। कमजोर हड्डियों की सुरक्षा के लिए घरेलू उपाय ढूंढते हैं, तो कुछ हड्डियों की कमजोरी का इलाज कैसे करें यह सवाल करते हैं। जरा सी चोट लगने पर हड्डियां टूट सकती हैं। कभी-कभी झुकने, खांसने या छींकने से भी फ्रैक्चर हो सकता है। ऐसे में यह बहुत आवश्यक है कि इसके लक्षण पता लगने पर समय पर इसका उपचार शुरू कराएं।

मुश्किल है पता लगाना

हड्डी रोग व आर्थोस्कोपी विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि हमारी लाइफ स्टाइल के बदलने के कारण यह बीमारी होती है। इसमें हड्डियों के घनत्व या बीएमडी की कमी हो जाती है, जिससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों को असामान्य रूप से छिद्रयुक्त हड्डियों में बदल देती है, जिसके कारण हड्डियां बार-बार फ्रैक्चर होने लगती हैं। शुरुआती लक्षणों में इसकी पहचान करना मुश्किल है। जब छोटी-छोटी गतिविधियों में भी फ्रैक्चर होने लगता है, तब इस रोग के बारे में पता लग पाता है।

कैल्शियम और विटामिन की कमी भी बड़ा कारण

हड्डियों के पोषण के लिए जरूरी कैल्शियम और विटामिन की कमी के कारण भी ओस्टियोपोरोसिस हो सकता है। शरीर में इन तत्वों की कमी होने पर यह बीमारी आसानी से जकड़ लेती है। 50 वर्ष की उम्र के बाद 50 मिग्रा कैल्शियम का सेवन आवश्यक रूप से किया जाना चाहिए। इसके अलावा ओस्टियोपोरोसिस अनुवांशिक बीमारी है। परिवार में किसी को यह बीमारी हो चुकी है तो यह दूसरों को भी हो सकती है। फिजिकल एक्टिविटी की कमी, धूम्रपान, शराब का सेवन, विटामिन डी या अन्य दवाओं के सेवन से भी ओस्टियोपोरोसिस हो सकता है।

बचाव के इन उपायों से मिल सकती है राहत

डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि इस रोग में जितना हो सके व्यायाम करना चाहिए। सैर करना, हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करना, योगा आदि से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, साथ ही शरीर में कैल्शियम का संतुलन भी बना रहता है। लेकिन अगर आपकी हड्डियां कमजोर हैं तो जॉगिंग, ट्रेडमिल या टेनिस जैसे व्यायाम आपके लिए सुरक्षित नहीं हैं। इसके अलावा खान-पान में कैल्शियम युक्त आहार विटामिन डी के लिए कच्ची धूप में बैठने जैसे उपायों से भी इस रोग से राहत पाई जा सकती है।

ओस्टियोपोरोसिस के लक्षण

- कमर या पीठ में दर्द होना
- सामान्य गतिविधि में फ्रैक्चर हो जाना
- समय के साथ ऊंचाई में कम

सर्दी में बढ़ा फाइलेरिया का कहर, जानें कारण और बचाव के उपाय

जयपुर। ठंड में फाइलेरिया का अटैक बढ़ गया है। शहर में शीतलहर के बढ़ते ही फाइलेरिया के मरीज भी बढ़ गए हैं। दर्द से परेशान लोगों को अस्पताल आना मजबूरी है। फाइलेरिया की रोकथाम के लिए ऐसे तो हर साल अभियान चलाकर घर-घर निःशुल्क दवाएं दी जाती हैं, लेकिन जागरुकता के अभाव में लोग दवा लेने में रुचि नहीं दिखाते हैं। मलेरिया की तरह फाइलेरिया भी मच्छर के काटने से होता है। ठंड में संक्रमित मच्छर के काटने से मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। सरकारी आंकड़ों की बात करें तो हर साल मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी फाइलेरिया से परेशान हैं।

घूम-घूमकर दी जाती है फाइलेरिया की दवा: फाइलेरिया को लेकर हर वर्ष ठंड से पहले अभियान चलाया जाता है। इसमें दो तरह की दवाएं दी जाती हैं। इसके लिए पटना में आठ डीपो भी बनाया गया है। डॉक्टर गर्भवती महिला हृदय व दमारोगियों को छोड़ कर हर किसी को फाइलेरिया की दवा साल में एक बार खाने की सलाह देते हैं।

ठंड में बढ़ जाती है मरीजों की परेशानी: डॉक्टरों का कहना है कि ठंड में फाइलेरिया का असर काफी अधिक होता है। तेज ठंड पड़ते ही दर्द से लोगों की स्थिति खराब हो जाती है। फाइलेरिया न सिर्फ व्यक्ति को विकलांग बना देती है, बल्कि इससे मरीज की मानसिक स्थिति पर भी काफी असर पड़ता है।

फाइलेरिया से बचाव: फाइलेरिया चूंकि मच्छर के काटने से फैलता है, इसलिए मच्छरों से बचाव ही इसका एकमात्र उपाय है। इसके लिए जरूरी है कि घर व इसके आसपास सफाई रखें। सोने के समय हाथ-पैर पर व अन्य खुले भागों पर सरसों या नीम का तेल लगा लें। कही चोट या घाव हो तो फिर उसे साफ रखें।

क्यूलैक्स मच्छर के काटने से होता है रोग: फाइलेरिया मच्छरों द्वारा फैलता है, खासकर परजीवी क्यूलैक्स फैंटीगंस मादा मच्छर के काटने से होता है। इसका अब तक कारगर इलाज नहीं है। रोकथाम ही समाधान है। फाइलेरिया को लेकर दवाएं दी जाती हैं। विशेष अभियान भी चलाया जाता है। लोगों को घर-घर जाकर दवाएं दी जाती हैं। सामान्य लोगों को भी इसकी दवा लेनी चाहिए।

खाते हैं ज्यादा नमक तो हो जाएं अलर्ट!

चेहरे पर जल्द दिखने लगेगा बुढ़ापा

जयपुर। नमक के बगैर स्वाद की कल्पना नहीं की जा सकती, लेकिन इसका ज्यादा सेवन बहुत खतरनाक हो सकता है। खासतौर पर जंक फूड में बहुत अधिक मात्रा में नमक होता है। एम्स के डॉ. अनुराग शाही के अनुसार, 'नमक हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है। अक्सर हाई बीपी के डर से नमक के सेवन को कम करने की सलाह दी जाती है।"

विश्व स्वास्थ्य संगठन और सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इन्सान को एक दिन में 5 ग्राम नमक खाना चाहिए, लेकिन सच्चाई यह है कि भारत में लोग इससे दोगुना यानी 10 ग्राम तक सेवन कर रहे हैं। इसके घातक परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। किडनी से जुडी बीमारियो और हार्ट अटैक के तेजी से बढ़ते मामलों के पीछे नमक का ज्यादा सेवन भी है। इस लिहाज से जंक फूड सबसे ज्यादा नुकसानदायक है, क्योंकि नमक की जितनी मात्रा एक दिन के

लिए तय है, उतना कई बार जंक फूड का एक पैकेट ही शरीर में पहुंचा देता है।

एक दिन में कितना नमक खाना चाहिए : अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, एक आम इन्सान को एक दिन में करीब 4000 से 5000 मिली ग्राम से अधिक नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। यानी एक दिन में एक चम्मच नमक (करीब 4-5 ग्राम) पर्याप्त होता है। वहीं भारत में किए गए एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली और हरियाणा में एक इन्सान एक दिन में औसतन 9 से 10 ग्राम नमक का सेवन करता है। वहीं आंध्रप्रदेश में यह आंकड़ा 10 ग्राम से अधिक पाया गया।

जानिए कितना नुकसानदायक है ज्यादा नमक : ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है। यही ब्लड प्रेशर हार्ट संबंधी बीमारियों का कारण बनता है। जो लोग सीमित मात्रा में नमक खाते हैं, उनमें हार्ट की बीमारियों का खतरा 25 फीसदी तक कम होता है। ज्यादा नमक डिहाइड्रेशन का कारण बन सकता है। बेहतर होगा संतुलित मात्रा में नमक खाएं और खूब पानी पीएं। ज्यादा नमक का असर किडनी पर भी पड़ता है। इसका पहला लक्षण हाथ और पैरों में सूजन के रूप में सामने आता है। खाने मे नमक कम है तो ऊपर से डालने से बचें। यही स्थिति बढ़े हुए ब्लड प्रेशर और हायपरटेंशन का कारण बनती है। वहीं खाना पकाते समय जब नमक पक जाता है, तब इसमें मौजूद आयरन पाचन में आसान हो जाता है। ज्यादा नमक के कारण ब्लड प्रेशर का बढ़ना हड्डियों के लिए भी घातक होता है। हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा कम होने लगती है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस और अल्सर जैसी बीमारियां की आशंका बढ़ जाती है। ज्यादा नमक यानी शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ना जो दिमाग पर असर डाल सकती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दुनियाभर में हर साल 9.8 मिलियन लोगों की मृत्यु हाइपरटेंशन और इससे होने वाली कॉम्प्लीकेशंस से हो रही हैं। ज्यादा नमक इन्सान को जल्दी बूढ़ा बना सकता है। दरअसल, हाई ब्लड प्रेशर के कारण धमनियां कठोर हो जाती हैं। इसके कारण ब्लड और ऑक्सीजन के प्रवाह में कमी आती है। इसका असर यह होता है कि त्वचा सूखने लगती है और इसमें तेजी से झुर्रियां पड़ जाती हैं।

शरीर में नमक कम होना भी सही नहीं

शरीर में नमक संतुलित मात्रा में होना चाहिए। यह एक गलत धारणा है कि हमें जितना संभव हो सके नमक का सेवन कम करना चाहिए। नमक की अत्यधिक कमी न केवल ब्लड प्रेशर को कम करती है बल्कि तंत्रिका कोशिकाओं की गतिविधि और दिल की मांसपेशियों और पाचन तंत्र में भी बाधा डालती है।' लोग 'नमक' और 'सोडियम' शब्दों का लगभग एक दूसरे के पर्यायवाची के रूप में उपयोग करते हैं। नमक सोडियम के समान नहीं है। नमक एक प्राकृतिक खनिज है जो क्रिस्टल जैसा दिखता है। इसमें दो तत्व होते हैं; सोडियम और क्लोरीन। नमक में ये दो तत्व लगभग 40 (सोडियम) और 60 (क्लोरीन) के अनुपात में होते हैं। आपके द्वारा खाया गया नमक शरीर में सोडियम और क्लोराइड के घटकों में टूट जाता है।

भाजपा रेवाड़ी का कुनबा बढ़ा; घीसा की ढाणी निवासी वरिष्ठ समाजसेवी शीशराम यादव भाजपा में शामिल

मोदी-सैनी की नीतियों, राव के आशीर्वाद और डॉ. वंदना पोपली के नेतृत्व में जताया विश्वास

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भारतीय जनता पार्टी रेवाड़ी इकाई को उस समय बड़ी मजबूती मिली जब घीसा की ढाणी निवासी प्रतिष्ठित व्यक्ति शीशराम ने अपने साथियों सहित पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने यह सदस्यता भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली जी के नेतृत्व में ली। डॉ. पोपली ने उन्हें पार्टी का पटका पहनाकर संगठन में उनका विधिवत स्वागत किया। शीशराम यादव ने बताया कि वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ साथ केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की जनकल्याणकारी नीतियों से अत्यधिक प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो 'अंत्योदय' के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचा रही है। पार्टी में शामिल होने के अवसर पर शीशराम यादव ने भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली के कार्यशैली की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डॉ. पोपली जिस निष्ठा और समर्पण के साथ रेवाड़ी जिले में संगठन को मजबूत कर रही हैं, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनके नेतृत्व में रेवाड़ी भाजपा नित नई ऊंचाइयों को छू रही है। शीशराम यादव ने कहा 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित होकर भाजपा परिवार में शामिल हुआ हूं। जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली जिस ऊर्जा के साथ रेवाड़ी में कार्य कर रही हैं, ओर राव इंद्रजीत सिंह जिस प्रकार क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रहे है उससे मैं बहुत प्रभावित हूं। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी द्वारा दी गई हर जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाऊंगा, डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि ' शीशराम यादव जैसे अनुभवी और समर्पित व्यक्तित्व का भाजपा परिवार में स्वागत है। मोदी-सैनी सरकार की नीतियों पर जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। शीशराम यादव के पार्टी में आने से निश्चित रूप से घीसा की ढाणी और आसपास के क्षेत्र में संगठन को और अधिक शक्ति मिलेगी। हम सभी मिलकर एक सशक्त भारत और विकसित हरियाणा के निर्माण में अपना योगदान देंगे।'

डॉ. वंदना पोपली ने घीसा की ढाणी (मधु विहार) में नवनिर्मित सड़क का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विकास भाजपा की प्राथमिकता रही है और सड़क जैसी मूलभूत संरचनाएं आमजन के जीवन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डॉ. पोपली ने कहा कि भाजपा सरकार विकास, पारदर्शिता और जनसेवा के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है तथा हर गली-मोहल्ले तक विकास पहुंचाना पार्टी का उद्देश्य है। इस अवसर पर नगर परिषद के उप प्रधान श्याम चुग भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी क्षेत्रवासियों को नवनिर्मित सड़क की शुभकामनाएं देते हुए भाजपा के विकासात्मक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जिन्होंने शीशराम यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। जिनमे प्रमुख रूप से जिला महामंत्री कुलदीप चौहान,नगर परिषद के उप प्रधान श्याम चुग जिला उपाध्यक्ष प्रवीन शर्मा, धीरज शर्मा,गौरव शर्मा, नीतू चौधरी सीडब्लूसी मेंबर मण्डल महामंत्री महेश राजा,अमृतकला टिकानिया, एडवोकेट मुकेश रंगा, पूर्व पार्षद लखमी चन्द, ,अजय रंगा,संजय बडगुर्जर, मनीष टिकानिया, के के बिडलान,नितिन चौहान, पवन चौहान के साथ पार्टी मे शामिल हुए सतबीर यादव,अजय सिंह नागर,धर्मवीर यादव,रमेश कुमार, रोहताश कुमार, इमानुदीन, राजकुमार, राजेश, रोशन लाल, बाल किशन, प्रीतम सैनी, कुलदीप, हरि सिंह, ईश्वर सिंह, राजेन्द्र, नरेश, श्यामलाल, जगदीश, साधूराम शास्त्री, हेमन्त यादव, हनुमान प्रसाद शर्मा, सोमवीर यादव, ओमप्रकाश रोहिल्ला आदि उपस्थित रहें।

शिव मंदिर से घोठेवाले बालाजी तक निकाली ध्वजा यात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर में सामोद रोड घाटावाल कृषि फार्म नीमड़ी के पास स्थित शिव मंदिर से नाथजी की बगीची होते हुए घोठे वाले बालाजी मंदिर तक शनिवार को कलश यात्रा निकाली गई। इस मौके पर देर रात्रि तक जागरण भी किया गया। कलश यात्रा के आयोजक हनुमान सहाय, भगवान सहाय, गंगाराम, राधेश्याम घाटावाल ने बताया कि महिलाओं के द्वारा एक भव्य कलश यात्रा दोपहर 12:15 बजे से निकाली गई, जो सामोद रोड स्थित घोठे वाले बालाजी हनुमान मंदिर में पहुंचकर संपन्न हुई। कलश यात्रा में नगर पालिका चौमूं के पूर्व अध्यक्ष गोविंद नारायण सैनी, मक्खन माली, शैतान मीणा, गोपाल लाल सैनी, श्यामलाल सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को लेकर सरकार प्रतिबद्धः राज्यसभा सांसद सुभाष बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने टोहाना विधानसभा क्षेत्र में दो करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचल के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करते हुए राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला ने शनिवार को गांव इंदाछोई में करोड़ों रुपये की लागत से पूर्ण हुई एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में आधारभूत संरचना सुदृढ़ होने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सिंचाई विभाग की 15 लाख 30 हज़ार की लागत के फतेहाबाद डिस्ट्रिब्यूट्री ब्रिज आरडी-89380 का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई व्यवस्था में सुविधा मिलेगी तथा आवागमन सुचारू होने से कृषि गतिविधियों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी। राज्यसभा सांसद ने गांव इंदाछोई में पंचायती राज विभाग की एक करोड़ 85 लाख 90 हज़ार रुपये की विभिन्न योजनाओं के उद्घाटन किए। सांसद श्री बराला ने कम्युनिटी सेंटर का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने खेल स्टेडियम, महिला सशक्तिकरण केंद्र भवन, स्वर्ग आश्रम के सौंदर्यीकरण कार्य, एक खेत के रास्ते सहित तीन गलियों के निर्माण कार्य, ग्रामीण लाइब्रेरी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शेड, शीतला माता मंदिर के समीप शेड तथा महिला चौपाल विश्राम गृह के सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक, शैक्षणिक, खेलकूद एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर आमजन के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। उन्होंने कहा कि खेल स्टेडियम से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा और वे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगे। वहीं, लाइब्रेरी एवं शैक्षणिक सुविधाएं विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होंगी। महिला सशक्तिकरण केंद्र एवं महिला चौपाल से महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी। राज्यसभा सांसद ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुनिश्चित किया जा रहा है तथा विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रामेश्वर डूडी की समाधि पर रोने लगीं विधायक; कांग्रेस नेता डूडी को श्रद्धांजलि देने पहुंचीं थीं, माला रखते ही भावुक हुईं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कांग्रेस के कद्दावर नेता रामेश्वर डूडी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचीं नोखा विधायक और डूडी की पत्नी सुशीला डूडी भावुक हो गई। अपने पति की समाधि स्थल पर दर्शन करने के दौरान वे फूट-फूटकर रोने लगी। दरअसल, शुक्रवार को बीकानेर से नोखा जाते समय कांग्रेस कार्यकर्ता के यहां रुके थे। विधायक सुशीला डूडी भी साथ थीं। रास्ते में सभी लोग डूडी की समाधि स्थल पर रुके, जहां वे भावुक हो गईं।

जहां अंतिम संस्कार, वहां बन रही हैं समाधि

जानकारी के अनुसार नोखा में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और नोखा विधायक सुशीला डूडी ने रास्ते में समाधि स्थल पर अपने वाहन रोक लिए। जिस जगह डूडी का अंतिम संस्कार किया गया था,उसके चारों और अब समाधि बनाने का काम चल रहा है। चार दीवारी की जा चुकी है। सभी कार्यकर्ताओं ने यहां पुष्प अर्पित करना शुरू किया। इसी दौरान नोखा विधायक ने भी फूलों की माला दीवार पर रखी। माला दीवार पर रखी जाती, इससे पहले ही वे रोने लगी। कुछ ही देर में वो फूट-फूटकर रोने लगी। साथ में चल रही दो महिला कार्यकर्ताओं ने उन्हें संभाला लेकिन काफी देर तक विधायक अपने पति की याद में रोती ही रहीं। ये पहला मौका है जब वो सार्वजनिक तौर पर वो अपने पति की याद में इतनी भावुक हुई।

समाधि स्थल लगेगी डूडी की प्रतिमा

देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने बताया कि बीकानेर-नोखा मार्ग पर गंगाशहर से महज दो-तीन किलोमीटर की दूरी पर नेशनल हाईवे पर ही ये भव्य समाधि स्थल तैयार हो रहा है। डूडी के अंतिम संस्कार स्थल पर अब समाधि बनाया जाना प्रस्तावित है। इसी समाधि स्थल पर डूडी की मूर्ति लगाई जाएगी। पूरे परिसर को भव्य रूप दिया जाएगा।

मंडावर में धार्मिक आयोजनों में पहुंचे विधायक राजेंद्र मीणा, जनसमस्याओं पर लिया त्वरित संज्ञान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर स्थित ट्रक यूनियन परिसर में शनिवार को ट्रक यूनियन मंडावर की ओर से आयोजित धार्मिक कार्यक्रम रामायण पठन के समापन समारोह में क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विधायक राजेन्द्र ने श्रद्धापूर्वक उपस्थिति दर्ज कराते हुए आयोजन की सराहना की और धार्मिक परंपराओं को समाज की एकता का आधार बताया। इसके पश्चात वे शहर की अनाज मंडी के सामने स्थित पहाड़बंध हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां पौषबड़ा एवं भजन संध्या कार्यक्रम में शामिल होकर हनुमान चरणों में शीश नवाया और क्षेत्र में अमन-चैन, शांति व खुशहाली की प्रार्थना की। दोनों ही कार्यक्रमों में क्षेत्रीय जनता द्वारा दिए गए मान-सम्मान के लिए विधायक ने सभी का आभार व्यक्त किया।? शनिवार को ट्रक यूनियन मंडावर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आमजन ने नगरपालिका क्षेत्र मंडावर के वार्ड नंबर 16 करणबास चौराहा, बाईपास रोड स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाए जाने की मांग रखी। इस संबंध में भाजपा मंडल मंडावर के महामंत्री नेमीचंद सैनी सहित स्थानीय नागरिकों ने विधायक से अनुरोध किया, जिस पर विधायक राजेंद्र मीणा ने मौके से ही नगरपालिका मंडावर के कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी को आवश्यक निर्देश देकर उक्त स्थानों पर शीघ्र हाई मास्क लाइट लगवाने हेतु निर्देश दिये। इस पर कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी प्रकाशचंद मीणा ने जल्द कार्य कराने का आश्वासन दिया, जिससे आमजन में संतोष और भरोसा देखने को मिला। इस अवसर पर गोपाल दास महाराज, मनोहर दास महाराज, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, महामंत्री सोनू वशिष्ठ, रोहिताश बागड़ी, मुकेश साहू, पूर्व सरपंच घमंडी मीना व अमरचंद मीना, रामी मास्टर, दीपचंद मीना, छात्र नेता महेंद्र खडोड़िया व बल्लू ठेकेदार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक मौजूद रहें।

कानून-व्यवस्था को लेकर फतेहाबाद पुलिस अलर्टः जिलेभर में सुरक्षा निगरानी तेज

सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से बढ़ा सुरक्षा विश्वास

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सुरक्षा निगरानी को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। इसी क्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस बल द्वारा योजनाबद्ध तरीके से गश्त एवं निगरानी गतिविधियां संचालित की गईं। इस दौरान पुलिस टीमों ने बाजार क्षेत्रों, मुख्य चौराहों, सार्वजनिक स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे रोड तथा अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस की सक्रिय उपस्थिति से जहां असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण बना रहा, वहीं आमजन में सुरक्षा को लेकर भरोसा भी मजबूत हुआ। गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर क्षेत्र की मौजूदा परिस्थितियों की जानकारी ली तथा उन्हें किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही लोगों को नशे, साइबर ठगी और अन्य अपराधों से सतर्क रहने को लेकर भी जागरूक किया गया। सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में पुलिस बल की प्रभावी तैनाती सुनिश्चित की गई, ताकि किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। यह निगरानी विशेष रूप से उन स्थानों पर केंद्रित रही, जहां अधिक आवाजाही रहती है या पूर्व में सुरक्षा से संबंधित इनपुट प्राप्त हुए थे। फतेहाबाद पुलिस ने दोहराया कि जिले में शांति, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में इस प्रकार की सतर्क और रणनीतिक पुलिस गतिविधियां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी।

नीमराना पुलिस ने शातिर अंतरराज्यीय 'शटर-कटर' गैंग के तीन सदस्यों को दबोचा, 50 से अधिक चोरियों का खुलासा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना थाना पुलिस ने पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई (IPS) के निर्देशन में गठित विशेष टीम के माध्यम से एक शातिर अंतरराज्यीय गिरोह को दबोचने में सफलता हासिल की है। इस गिरोह के तीन मुख्य सदस्य, जिन्हें 'शटर-कटर' गैंग कहा जाता है, राजस्थान और हरियाणा में चोरी की 50 से अधिक वारदातों को अंजाम देना स्वीकार कर चुके हैं। पुलिस की इस कार्रवाई में हरसोड़ा पुलिस का भी सराहनीय सहयोग रहा। मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों को चिह्नित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश खींची और वृत्ताधिकारी सुश्री चारुल गुप्ता के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने 15 जनवरी को घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दस्तयाब किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजयपाल(28) निवासी गणडाला थाना नीमराना, कपील राठौर (25) निवासी गणडाला, थाना नीमराना, राजेश बावड़िया (24) - निवासी फतेहपुरा, थाना नीमराना आदि से पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ये आरोपी आधी रात के बाद बिना नंबर की बाइक पर निकलते थे और शटर काटने के लिए विशेष प्रकार के कटर और औजार का इस्तेमाल करते थे। ये पलक झपकते ही दुकानों के ताले और शटर काट देते थे। इस गिरोह ने नीमराना, प्रागपुरा (राजस्थान) और बावल, खोल (हरियाणा) जैसे क्षेत्रों में 50 से अधिक दुकानों को निशाना बनाया है। कार्रवाई की शुरुआत 13 जनवरी को मोहलडिया स्टैंड पर हुई चोरी की रिपोर्ट के बाद हुई। परिवादी सुरेंद्र ने शिकायत दर्ज कराई थी कि चोरों ने तीन दुकानों और एक ई-मित्र सेंटर के ताले तोड़कर नकदी और सामान साफ कर दिया। सीसीटीवी फुटेज में तीन संदिग्ध बिना नंबर की बाइक पर नजर आए, जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जाल बिछाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

एनआईआईटी यूनिवर्सिटी नीमराना में राठ महोत्सव का भव्य आयोजन : संस्कृति-परंपरा और सामाजिक एकता का दिखा संगम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । एनआईआईटी यूनिवर्सिटी नीमराना परिसर में शनिवार को सांस्कृतिक गौरव को समर्पित राठ महोत्सव का भव्य आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदों को श्रद्धांजलि अर्प, दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पण के साथ किया गया। महोत्सव में समाज की समृद्ध परंपराओं, लोकसंस्कृति और आपसी एकता का सुंदर प्रदर्शन देखने को मिला। पारंपरिक लोकनृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समाज से जुड़े प्रेरणादायी विचारों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। वक्ताओं ने राठ समाज के इतिहास, सामाजिक योगदान और युवा पीढ़ी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा, संस्कार और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। कार्यक्रम में एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक अधिकारी, समाज के गणमान्य लोग, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु मौजूद रहे।आयोजन ने सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और आपसी सौहार्द का सशक्त संदेश दिया। महोत्सव के दौरान एडवोकेट राकेश यादव प्रदेश उपाध्यक्ष विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, नीमराना पूर्व सरपंच अशोक मुद्गल, युवा समाजसेवी रविंद्र यादव (नगर पालिका नीमराना), नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी, उपाध्यक्ष संजय यादव, पर्यावरणविद् भूपेंद्र सिंह चौहान, कांग्रेस नेता विजेंद्र महलावत, युवा समाजसेवी कर्मपाल चौहान, राजस्थान पंचायती राज पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मूलचंद गुर्जर, कांग्रेस नेता अशोक दौराता, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया, शिव स्वरूप गौशाला अध्यक्ष मास्टर वीरेंद्र यादव, पूर्व अध्यक्ष दिलीप मुनीम, एटीसी ट्रांसपोर्टर राकेश चौधरी, राष्ट्रीय बहुजन सामाजिक परिसंघ राजस्थान प्रदेश महासचिव महावीर प्रसाद चर्खिया, गिरीश राठौर, सुनील सेन, जयवीर सिंह चौहान, अभिराज सिंह, लक्ष्यराज सिंह चौहान, भूपेंद्र सिंह गुर्जर, गजेंद्र गुर्जर, अनिल गुर्जर, केदारनाथ आश्रम के महंत भोलूनाथ, जनक सिंह यादव (पूर्व पार्षद), संदीप यादव, राजेश यादव तलवाड़िया सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अंत में आयोजन समिति के सीताराम, भूपेंद्र सिंह चौहान, दुलीचंद मोरोडिया सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

चिड़ावा में 'मन की बात' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक, 25 जनवरी को सामूहिक श्रवण की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के उद्देश्य से शनिवार को चिड़ावा स्थित विशाल साइकिल शोरूम पर भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मन की बात कार्यक्रम के जिला प्रमुख मुरलीमनोहर शर्मा और चिड़ावा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर ने की। बैठक में आगामी 25 जनवरी 2026 को सुबह 11:00 बजे प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण को लेकर विस्तृत योजना बनाई गई। जिला प्रमुख मुरलीमनोहर शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना भाजपा का मुख्य लक्ष्य है। मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर ने सभी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों और बूथों पर अधिक से अधिक संख्या में ग्रामीणों को एकत्रित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजित इस बैठक में वरिष्ठ पार्षद राजेंद्रपाल कोच, चिड़ावा ग्रामीण अध्यक्ष विकास स्वामी, कार्यक्रम संयोजक पार्षद अंकित भगेरिया, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष मोहित तामडायत, पीयूष बाछुका, सह-संयोजक राजेश वर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष अशोक शर्मा, संदीप गिरधर, संतोष शर्मा, राहुल योगी और अमित बुलानिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाजूवाला व्यापार मंडल में कांग्रेस का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन, सरकार की नीतियों के खिलाफ जताया विरोध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खाजूवाला।

सोहनलाल परिहार । शनिवार को खाजूवाला व्यापार मंडल परिसर में कांग्रेस पार्टी द्वारा विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया गया। कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर 'जी राम जी' किए जाने का विरोध करते हुए मांग की कि योजना को पुन: महात्मा गांधी के नाम से ही संचालित किया जाए तथा इसका 100 प्रतिशत वित्तीय भार केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाए, न कि 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार पर डाली जाए। सम्मेलन में क्षेत्र में यूरिया की काला बाजारी, मूंगफली की सरकारी खरीद में प्रति किसान 20 हजार रुपये की अवैध वसूली, खेजड़ी के हजारों पेड़ों की कटाई तथा नहरों में पूरा पानी देने की मांग को लेकर भी वक्ताओं ने कड़ी आपत्ति जताई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने कहा कि राजस्थान सरकार अपने कार्यकाल के केवल दो वर्षों में ही पूरी तरह असफल साबित हो चुकी है। प्रदेश में विकास ठप हो गया है। तहसील व एसडीएम कार्यालयों में आम जनता के काम नहीं हो रहे, पंचायत समितियों में न मनरेगा सामग्री का भुगतान हो रहा है और न ही मजदूरों को मजदूरी मिल रही है। किसान खातेदारी के लिए भटक रहे हैं, लेकिन कोई अधिकारी जिम्मेदारी से काम नहीं कर रहा।

उन्होंने कहा कि यूरिया के लिए किसानों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है और मूंगफली खरीद में खुलेआम रिश्वतखोरी हो रही है, जिससे जनता में भारी आक्रोश है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए मेघवाल ने कहा कि वे पहली बार विधायक और पहली बार मुख्यमंत्री बने हैं, इसलिए प्रशासन पर उनकी पकड़ नहीं है। यह सरकार पर्ची से बनी कठपुतली सरकार है।

सोलर परियोजनाओं की आड़ में खेजड़ी के हरे पेड़ों की कटाई को पर्यावरण के खिलाफ बताते हुए उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज लंबे समय से आंदोलन कर रहा है, लेकिन सरकार कुंभकरणी नींद में है। करणीसर में खेजड़ी कटाई के खिलाफ धरना आज भी जारी है और 2 फरवरी को बड़ा आंदोलन प्रस्तावित है। पूर्व मंत्री ने केंद्र सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं पर ईडी और इनकम टैक्स का दबाव बनाया जा रहा है, जो अघोषित आपातकाल जैसा है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव समय पर नहीं कराए गए, जिससे जनता में नाराजगी है। सुप्रीम कोर्ट के दबाव में अब मार्च-अप्रैल में चुनाव कराने की मजबूरी बनी है। आज एसडीएम को मांग पत्र सौंपा गया है, यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले पंचायत, जिला परिषद, नगर पालिका और सरपंच चुनावों में जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। धर्म के नाम पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि देश में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर तनाव फैलाया जा रहा है, बेगुनाह लोगों को जेल में डाला जा रहा है और डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रही है। महंगाई, बेरोजगारी और किसान विरोधी नीतियों के लिए भाजपा जिम्मेदार है। अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं और निष्पक्ष चुनाव के लिए बैलेट पेपर व्यवस्था लागू नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी बीकानेर जिले सहित पूरे राजस्थान में बड़ा लोकतांत्रिक आंदोलन खड़ा करेगी। सम्मेलन में पूगल प्रधान गौरव चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष रामेश्वर गोदारा, छत्तरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष क्यामुद्दीन पडिहार, प्रशासक चेतराम भाम्भु, राजूराम कस्वां, शौकत बलौच, मकबूल बलौच, ओमप्रकाश मेघवाल, सुरेन्द्र सिंवर, दुरुस्तदान चारण, सतीश मेघवाल, सद्दाम पडिहार, खलील बलौच, कमलेश गिला, सत्तार सेवड़ा, मजीद खान, रामकुमार विश्नोई, हसन खान, राजेन्द्र बेनीवाल, सुधीर विश्नोई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, किसान, मजदूर एवं आमजन उपस्थित रहे।

मुंबई महानगर पालिका में भाजपा की जीत पर खुशियाँ मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

महाराष्ट्र की बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में भाजपा गठबंधन की जीत को लेकर भाजपा नगर मण्डल कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। जानकारी देते हुए नगर महामंत्री रवि लांबा ने बताया कि मुंबई महानगर पालिका में भाजपा-शिंदे गठबंधन महायुति ने 227 में से 122 सीटें व इसमें भाजपा ने 96 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। इसको लेकर शहर के गांधी चौक में भाजपा शहर अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने खुशियां मनाने हुए नारेबाजी की और मिठाइयां बाटी। इस अवसर पर जिला महामंत्री दिलीप सैनी,पूर्व मण्डल अध्यक्ष गणेश तिवाड़ी, अल्पसंख्यक मोर्चा

ज़िलाध्यक्ष शौकत अली चौहान, पूर्व ज़िलाध्यक्ष एससी मोर्चा शिवकुमार जेवरिया, उमाशंकर महमिया, पार्षद विजय कुमार सैनी, प्रमोद जानू, नरेंद्र शर्मा, किरण चौधरी, ख्यालीराम कुमावत, सुमेर कड़वासरा, नगर महामंत्री विजेंद्र हतवाल, नगर उपाध्यक्ष रामनिवास सैनी, ताराचंद सैनी, महेन्द्र सोनी, जगदीश गोस्वामी, सीए लोकेश अग्रवाल, शम्भू नेहरा, विजय चावला, पंकज बावलिया, महेंद्र सोनी मणिविहार, विनोद खन्ना, सुनील सैनी, मुकेश सैनी, मनोज कारोड़िया, अशोक मोदी, विनोद गोयंका सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

कस्बे में ढीगाल रोड वार्ड 11 में मकान में लगी भीषण आग

अचानक आग लगने से मची अफरा-तफरी घर का सारा सामान जला

फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर पाया काबू,फ्रिज, कूलर, अलमारी, कपड़े व खाने-पीने का सामान खाक

गनीमत रही कि कमरे में रखे दो सिलेंडरों ने नहीं पकड़ी आग ,हो सकता था बड़ा हादसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के वार्ड नंबर 11 में रथ होटल के पास ढीगाल रोड स्थित एक मकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग राजकुमार राठी के घर में लगी, जिसका कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग इतनी भीषण थी कि घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार आग लगने के समय घर के अंदर घरेलू उपयोग का पूरा सामान मौजूद था। आग की चपेट में आकर खाने-पीने का सामान, अलमारी, फ्रिज, कूलर, कपड़े सहित अन्य घरेलू वस्तुएं पूरी तरह जल गईं। आग से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि मकान के अंदर दो गैस सिलेंडर भी रखे हुए थे। आग की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। समय रहते

फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, जिसके बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड की तत्परता से गैस सिलेंडर के पास आग पहुँचने से पहले ही आग बुझा दी गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग भी मौके पर जुट गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर मुआवजा दिलाने की मांग की है।

बालाहेडी में पौषबड़ा आयोजन, श्रद्धा-संस्कार और सेवा भाव से एकजुट हुआ ग्रामीण समाज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के बालाहेडी कस्बे में पौष मास की परंपरा को निभाते हुए प्रमुख धार्मिक संगठन राधागोविंद मंडल बालाहेडी के तत्वावधान में पौषबड़ा कार्यक्रम श्रद्धा, अनुशासन और सामाजिक मर्यादा के साथ संपन्न हुआ। आयोजन में ग्रामीण परिवेश की सहज धार्मिक भावना, सेवा भाव और सामूहिक सहभागिता साफ तौर पर दिखाई दी। विधिवत पूजन के उपरांत भगवान को पौषबड़ा भोग अर्पित किया गया और फिर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में सुख-शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता की कामना के साथ धार्मिक परंपराओं को सहेजने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर हनुमान शर्मा, ओमप्रकाश ताम्बी, पुनीत बालाहेडी, केदार अग्रवाल, संतोष सर्राफ, अनिल, मोनू, प्रदीप, कैलाश सैन, श्यामू, आयुष सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। युवाओं से लेकर वरिष्ठजनों तक की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को गरिमामय बनाया और यह स्पष्ट किया कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज को जोड़ने और संस्कारों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। राधागोविंद मंडल द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले इन आयोजनों से आपसी सहयोग, सामाजिक जिम्मेदारी और सांस्कृतिक चेतना को निरंतर मजबूती मिल रही है। पूरे कार्यक्रम का संचालन शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और मर्यादित ढंग से किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों के प्रति अनुशासन और सामाजिक चेतना का सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

थाना शहर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चोरी के मामले में सह आरोपी संदीप कुट्टी काबू

15 तोले सोने, 3 किलो चांदी व नकदी सहित चोरी के आरोपी को गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस ने चोरी के मामले में संदीप कुट्टी पुत्र नरेश कुमार, निवासी राज नगर टोहाना को काबू किया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। इससे पहले इसी मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि प्रार्थी सतभूषण सिंगला ने

शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके मकान के ताले तोड़कर अज्ञात व्यक्ति चोरी कर गए थे। चोरी में लगभग 15 तोले सोने के आभूषण, 3 किलो चांदी के आभूषण, नकदी लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये, 5 अमूल्य घड़ियां और अन्य घरेलू सामान शामिल थे।? पुलिस ने सघन जांच और पूछताछ के बाद आरोपी संदीप कुट्टी को काबू किया। मामले में धारा 331(4), 305 BNS के तहत मुकदमा संख्या 418 दिनांक 11.12.2025 दर्ज किया गया। थाना शहर टोहाना पुलिस ने कहा कि जिले में चोरी और संपत्ति अपराधों पर सख्त निगरानी जारी है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

कोलायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत का नाम बदला, 'मोखां खालसा' को मिली आधिकारिक पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिले की कोलायत विधानसभा क्षेत्र में स्थित नवसृजित ग्राम पंचायत का नाम अब आधिकारिक रूप से मोखां खालसा कर दिया गया है। इससे पूर्व यह ग्राम पंचायत हाडलां भाटियान से पृथक होकर ग्राम पंचायत मुख्यालय हाडलां रावलोतान के नाम से अधिसूचित की गई थी, जिसे अब राज्य सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जारी संशोधित अधिसूचना के माध्यम से बदलकर मोखां खालसा कर दिया गया है। यह परिवर्तन केवल नाम बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक वर्ष पुरानी प्रशासनिक त्रुटि के सुधार और स्थानीय जनभावनाओं के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। विभाग ने स्वीकार किया है कि पूर्व में जारी अधिसूचना में प्रशासनिक स्तर पर त्रुटि हुई थी, जिसे अब दुरुस्त कर लिया गया है। नाम को लेकर उत्पन्न भ्रम के कारण ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, राजस्व व पहचान संबंधी दस्तावेजों के संधारण तथा विभिन्न पोर्टल पर प्रविष्टियों में लगातार परेशानियों का

सामना करना पड़ रहा था। अब सही नाम दर्ज होने से इन सभी प्रक्रियाओं में सुगमता आएगी और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी। इस बदलाव के पीछे रामरतन मेघवाल (पंवार) तथा मोखां खालसा न्याय मंच के नेतृत्व में चला जन-संघर्ष महत्वपूर्ण रहा। ग्रामीणों ने संवैधानिक व शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग को सरकार के समक्ष रखा और ऐतिहासिक तथ्यों व दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ अपना पक्ष मजबूती से प्रस्तुत किया। लंबे समय तक चले प्रयासों के बाद प्रशासन ने त्रुटि स्वीकार करते हुए नाम परिवर्तन की अधिसूचना जारी की। ग्रामीणों का कहना है कि 'मोखां खालसा' नाम की बहाली से गांव की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को प्रशासनिक मान्यता मिली है, जिससे क्षेत्र में गौरव की भावना भी मजबूत हुई है। यह घटना अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा मानी जा रही है कि लोकतांत्रिक और तथ्यों पर आधारित संघर्ष के माध्यम से बड़े प्रशासनिक निर्णयों में भी सुधार संभव है। ग्रामीणों ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार और संबंधित विभाग का आभार जताया तथा इसे जनता की एकजुटता और जागरूकता की जीत बताया।

बाल सुरक्षा संकल्प जागरूकता अभियान' के तहत बज्जू खालसा में आयोजित हुआ कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला प्रशासन एवं बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित 'बाल सुरक्षा संकल्प जागरूकता अभियान 2025-26' के तहत शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बज्जू खालसा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को बाल अधिकारों के प्रति सजग करना तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाना रहा। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अरुण सिंह शेखावत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास ने बाल विवाह, गुड टच-बैड टच, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति एवं नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह की रोकथाम से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश

डालते हुए इसके दुष्परिणाम बताए। गुड टच-बैड टच विषय पर बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान तथा किसी भी असहज स्थिति में सहायता लेने के तरीकों की जानकारी दी गई। बाल कल्याण समिति सदस्य जन्मेजय व्यास ने बाल श्रम और बाल भिक्षावृत्ति को कानूनन अपराध बताते हुए बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का संदेश दिया। साथ ही नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसानों के बारे में बताते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में चाइल्डलाइन समन्वयक प्रवेश आचार्य द्वारा बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में भवानी शंकर, सरिता राठौड़, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बज्जू के प्रधानाचार्य नरसिंह सोढ़ा, ओमप्रकाश पूनियां, नरेश कुमार गुर्जर सहित विद्यालय स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मेघवाल समाज को मजबूत करने की पहल, बीकानेर में सदस्यता अभियान का शंखनाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान, जयपुर की ओर से संगठन को मजबूत करने और समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से बीकानेर जिले में व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई है। प्रदेश अध्यक्ष सांगीलाल मेघवाल के निर्देश पर संस्थान के प्रदेश सचिव एवं बीकानेर जिला प्रभारी सोहनलाल परिहार ने जिले के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए अभियान को गति दी है। इस विशेष अभियान के लिए आगामी एक माह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश सचिव सोहनलाल परिहार ने संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के लिए जिला उपाध्यक्ष मगनलाल पवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया है। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला कोषाध्यक्ष निरमा मेघवाल, जिला महासचिव रामूराम मेघवाल, बीकानेर तहसील अध्यक्ष जयप्रकाश मेघवाल, कोलायत तहसील अध्यक्ष हरजीराम मेघवाल तथा पूगल तहसील अध्यक्ष

गिरधारीलाल मेघवाल को प्रमुख जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अभियान की रणनीति साझा करते हुए सोहनलाल परिहार ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को संगठन की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने निर्देश दिए कि अगले एक महीने के भीतर बीकानेर जिले में रिकॉर्ड संख्या में नए सदस्य जोड़े जाएं, शहरों के साथ-साथ दूर-दराज के गांवों और ढाणियों तक पहुंचकर समाज के लोगों को जागरूक किया जाए तथा संगठन की नीतियों और समाज कल्याण की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाए।? परिहार ने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी सदस्यता में निहित है। आधार मजबूत होगा तभी समाज के हितों की रक्षा प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि बीकानेर कीणं टीम पूरी ऊर्जा और समन्वय के साथ इस लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सदस्यता अभियान केवल संख्या बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि इससे समाज में आपसी भाईचारा और एकजुटता भी मजबूत होगी। जिला उपाध्यक्ष मगनलाल पवार ने आश्वस्त किया कि पूरी टीम आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए तय समय सीमा में लक्ष्य को हासिल करेगी। मेघवाल समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सदस्यता अभियान से जुड़ने और संगठन को मजबूत बनाने की अपील भी की गई है, ताकि समाज की आवाज को मजबूती से आगे बढ़ाया जा सके।

विकसित भारत जी राम जी अधिनियमो की जानकारी के लिए अमृत सरोवरो पर चौपाल लगा कर संवाद से होगा प्रचार-प्रसार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

ग्रामीण रोजगार की दिशा में एक अप्रेल से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। केंद्र सरकार मनरेगा को आधुनिक और डिजिटल रूप देते हुए 'विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन' लागू करने वाली है। इस योजना में कार्यस्थल के अक्षांश और देशांतर पोर्टल पर दर्ज होंगे। सैटेलाइट वाचिंग, जीपीएस मैपिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग होगा, जिससे फर्जी मस्टररोल और कागजी कार्यों पर पूरी तरह लगाम लगेगी। काम पूरा होने के बाद वह लोकेशन सैटेलाइट इमेज में 'लॉक' हो जाएगी, जिससे भविष्य मे उसी जगह दोबारा कार्य का फर्जी भुगतान नहीं होगा। नए कानून के तहत श्रमिकों को केवल मजदूरी नहीं, बल्कि कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा कर भूजल स्तर सुधार, कृषि, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आदि कच्चे काम कम और पक्के निर्माण कार्य अधिक होंगे। ग्रामीण बुनियादी ढांचा सुधार कार्यों का प्राथमिकता से प्रस्ताव बनाने से लेकर भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी। ग्राम सभा के प्रस्ताव सीधे युक्तिधारा पोर्टल पर अपलोड होंगे। पोर्टल से स्वीकृति मिलते ही आईडी जनरेट होगी, जो सीधे सिक्योर पोर्टल पर तकनीकी स्वीकृति के लिए जिला स्तर पर पहुंचेगी। जहा से जारी होने के बाद काम की सूचना पंजीकृत श्रमिक के मोबाइल पर पहुंचेगी। वीबी-जी राम जी योजना के तहत श्रमिको को 25 अतिरिक्त दिन का लाभ मिलकर 125 दिन का रोजगार उपलब्ध होगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चन्द्र यादव ने ज़िले के सभी विकास अधिकारियो को ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत निर्मित अमृत सरोवरों पर विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025 के प्रमुख प्रावधानों और कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जनवरी माह मै पोस्टर व बैनर के साथ चौपाल लगा कर चर्चा/सरोवर संवाद किया जाना है जिसमे में जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायका, सहयोगिनियों, राजस्थान ग्रामीण आजीविका मिशन से महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, राशन डीलरो, ग्रामीणों, श्रमिकों, महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के परिवारों, कमजोर समूहों आदि ग्रामीणों सहित सक्रिय भागीदारी के साथ चौपाल लगाकर संवाद का आयोजन किया जाकर पंचायत निर्णय ऐप के पर जियो टैग फोटो और वीडियोग्राफी के साथ-साथ कार्यवाही विवरण, प्रतिभागियों की संख्या, वास्तविक समय में अमृत सरोवर मोबाइल एप्लिकेशन पर जनवरी माह मै अपलोड करने के निर्देश दिए गए है।

मंडावर में सीसी सड़क निर्माण पर उठे सवाल, नियमों की अनदेखी के आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़ मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर शहर में गांधी चौक से थोबड़ी चौराहे तक बनाई जा रही सीसी सड़क एक बार फिर विवादों में आ गई है। क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र मीना के प्रयासों से करीब एक करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत इस सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 76 लाख रुपये की राशि से कराया जा रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में तय सरकारी मापदंडों की अनदेखी और ठेकेदार व विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान सब्जी मंडी के सामने का हिस्सा पहले ठेकेदार द्वारा अधूरा छोड़ दिया गया था। सड़क की चौड़ाई कम होने को लेकर पूर्व में विधायक राजेन्द्र मीना ने औचक निरीक्षण के दौरान मौके पर पहुंचकर नाले को छोटा कर सड़क चौड़ी करने के निर्देश विभागीय एईएन को दिए थे, लेकिन वर्तमान में जिस तरह से निर्माण कराया गया है, उससे कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।लोगों के अनुसार शनिवार को ठेकेदार ने सब्जी मंडी के सामने बिना पुरानी सीसी सड़क की खुदाई कराए ही उसी के ऊपर नई सीसी सड़क डाल दी। जबकि नियमानुसार पुरानी परत हटाकर नई परत डाली जानी चाहिए। इससे पहले भी गर्ल्स स्कूल के सामने बिना खुदाई सीसी सड़क बनाने का मामला सामने आया था। विरोध के बाद वहां खुदाई तो कराई गई, लेकिन आरोप है कि बिना पीसीसी डाले ही सीसी सड़क बना दी गई, जिससे सड़क की मजबूती और टिकाऊपन पर संदेह बना हुआ है। शहरवासियों का आरोप है कि अब सब्जी मंडी वाले हिस्से में भी पीडब्ल्यूडी के

जिम्मेदार अधिकारियों की कथित मिलीभगत से पुरानी लेयर हटाए बिना नई सड़क बना दी गई है, जो सरकारी मानकों का उल्लंघन है। लोगों ने यह भी बताया कि इसी हिस्से में नाले की सीमा तक सड़क नहीं बनाई गई और एक तरफ बेवजह जगह छोड़ दी गई, जिससे सड़क और अधिक संकरी हो गई है और आने वाले समय में यातायात की गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार की मंशा मजबूत और टिकाऊ सड़क देने की है, लेकिन जमीनी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है। नागरिकों ने पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने और दोषी ठेकेदार व विभागीय जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इनका कहना है–

गढ रोड पर सब्जी मंडी वाले हिस्से में पहले से गहराई अधिक होने के कारण पुरानी सीसी को नहीं खुदवाया गया और उसी के ऊपर नई सीसी डाली गई है।

– करणसिंह राजपूत, कनिष्ठ अभियंता, पीडब्ल्यूडी विभाग

स्व. शेर सिंह नेहरा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

नोबल शिक्षण संस्थान देवलावास में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक दर्शन पर हुआ विचार मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

देवलावास गांव स्थित नोबल शिक्षण संस्थान के एसएस नेहरा स्मृति मंच पर शनिवार को नोबल एजुकेशन ग्रुप के संस्थापक एवं पूर्व लोक जनसंपर्क अधिकारी स्वर्गीय शेर सिंह नेहरा की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों, नेहरा परिवार एवं नोबल परिवार के सदस्यों द्वारा स्वर्गीय शेर सिंह नेहरा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नागरिक रामकुमार यादव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में दैनिक भीम प्रज्ञा के संपादक एडवोकेट हरेश पंवार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य करण सिंह नेहरा, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बलवीर सिंह नेहरा, नोबल एजुकेशन ग्रुप की संरक्षक संतोष देवी, निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा, नोबल एकेडमी पचेरी के निदेशक डॉ. मानसिंह चौधरी, एकेडमिक डायरेक्टर सुमन नेहरा, डिप्टी डायरेक्टर अशोक शर्मा, मांगीलाल मिस्त्री, ओमप्रकाश फौजी, लीलाधर लांबा, एडमिनिस्ट्रेशन डायरेक्टर शिवम नेहरा, व्याख्याता अर्चना, रीताशा व शिवानी तथा प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार यादव मनोनीत अतिथि रहें।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक, वैचारिक एवं सारगर्भित कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों के साथ विचारोत्तेजक कार्यक्रम लगभग चार घंटे से अधिक समय तक चला। मुख्य अतिथि एडवोकेट हरेश पंवार ने अपने संबोधन में स्वर्गीय शेर सिंह नेहरा के सामाजिक दर्शन, शिक्षा नीति और क्षेत्र की उन्नति में नोबल शिक्षण संस्थान की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका

नोबल शिक्षण समूह के संस्थापक शेर सिंह नेहरा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए परिवारजन

अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज में जहां भी वह उपस्थित होता है, वहीं से शिक्षण और संस्कार का कार्य प्रारंभ हो जाता है। उन्होंने शेर सिंह नेहरा को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका जीवन और यह स्मृति स्थल आज भी समाज को शिक्षा और संस्कार का पाठ पढ़ा रहा है। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए नोबल एजुकेशन ग्रुप के प्रबंध निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा ने अपने पिता के प्रति भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव विकसित करते हैं। केवल पाठ्यपुस्तकों से अंक तो मिल सकते हैं, लेकिन ऐसे आयोजनों से जो संस्कार मिलते हैं, वही परिवार, समाज और राष्ट्र की सुदृढ़ नींव रखते हैं। उन्होंने संयुक्त परिवार की परंपरा और आपसी संवाद के महत्व पर भी बल दिया।

विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य बलवीर सिंह नेहरा ने कहा कि आज समाज को संस्कारित शिक्षा और व्यवहारिक ज्ञान की अत्यंत आवश्यकता है। केवल भौतिक सफलता की दौड़ में बच्चों को प्रकृति, मिट्टी और संघर्ष से जोड़ना जरूरी है, क्योंकि जो मिट्टी से जुड़ा होता है वही जीवन के मूल्यों को समझ सकता है। डिप्टी डायरेक्टर अशोक शर्मा ने कहा कि स्वर्गीय शेर सिंह नेहरा दूरदर्शी सोच के व्यक्तित्व थे,

नोबल शिक्षा समूह के संस्थापक शेर सिंह नेहरा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए अतिथिगण

स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा स्व.?एस.एस नेहरा की स्मृतियों का पोस्टर पेंटिंग में अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए

नोबल शिक्षा समूह के श्रेष्ठ शिक्षक का सम्मान देते हुए अतिथिगण

पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में शिरकत करते हुए अतिथिगण

जिन्होंने क्षेत्र में शिक्षा के माध्यम से विकास की मजबूत नींव रखी। उनकी नोबल विचारधारा आज भी विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले नोबल ग्रुप के कार्मिकों, शिक्षकों एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए ऑल ओवर एक्टिविटीज में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बेस्ट स्टूडेंट पुरस्कार एवं मेडल प्रदान किए गए। श्रेष्ठ शिक्षक को चेक भेंटकर सम्मानित किया गया, साथ ही सांस्कृतिक एवं वैचारिक प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नोबल शिक्षण संस्थान परिवार ने संस्थापक शेर सिंह नेहरा की पुण्यतिथि को सामाजिक अध्ययन दिवस के रूप में मनाते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

रेवाड़ी में जुटे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह समर्थक, बयानबाजी करने वालों को दी नसीहत

पंचायत समिति चेयरपर्सन प्रतिनिधि रविंद्र खोला बोले बयानबाजी नहीं करेंगे सहन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को लेकर विरोधियों द्वारा की जा रही बयान बाजी पर उनके समर्थकों ने नाराजगी जताई है। राव इंद्रजीत सिंह समर्थक शनिवार को रेवाड़ी में इक्ट्ठे हुए। इस दौरान पंचायत समिति चेयरपर्सन के प्रतिनिधि रविंद्र खोला और रामपुरा गांव के सरपंच नरेश उर्फ नररू ने प्रेस वार्ता कर कहा कि राव इंद्रजीत सिंह न केवल दक्षिण हरियाणा बल्कि हरियाणा के एक बड़े नेता है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान इतने विकास कार्य कराए जो कि लोगों की जुबान पर है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा में हुए विकास कार्यों का श्रेय केवल केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और उनकी बेटी तथा हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव को जाता है। दक्षिणी हरियाणा में कराए गए विकास कार्यों के कारण ही क्षेत्र की जनता ने उन्हें चार बार विधानसभा सदस्य और 6 बार लोकसभा के सांसद के रूप में जिताया है। यह उनकी लोकप्रियता का ही परिणाम है कि वह लगातार मोदी कैबिनेट में मंत्री हैं और उनकी बेटी आरती सिंह राव हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व निभा रही है। बता दें हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह और नांगल चौधरी के पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री राव अभय सिंह द्वारा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को लेकर दिए गए बयान सोशल मीडिया पर लगातार

वायरल हो रहे हैं। जिसके कारण केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के समर्थकों में लगातार विरोध बढ़ता जा रहा है। पिछले दिनों हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव रेवाड़ी पहुंची। जहां उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान बयान बाजी करने वाले विरोधी खेमे के नेताओं पर कटाक्ष किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राव साहब को इनके वजूद की जरूरत नहीं बल्कि इन्हें राव साहब के वजूद की जरूरत है। ये लोग केवल यही सोचते हैं कि राव साहब के खिलाफ बोलकर कैसे वायरल हुआ जाए। आरती सिंह राव ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह दक्षिणी हरियाणा ही नहीं बल्कि हरियाणा के एक बड़े नेता हैं। इसमें किसी को कोई शक नहीं है। वहीं इसके बाद बीते दिवस रेवाड़ी दौरे पर पहुंचे हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने एक बार फिर राव इंद्रजीत सिंह और उनकी बेटी को लेकर बयान बाजी की। जिसके बाद राव इंद्रजीत सिंह समर्थकों ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए उन्हें अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दी है। इस मौके पर सरपंच नरेश यादव रामपुरा, सरपंच दीपक हुसैनपुर, सरपंच हिम्मत नंगली गोधा, सरपंच संजीव गंगायचा अहीर, सरपंच ऋषिराज लाखनौर, पूर्व सरपंच शीशपाल यादव भुरथल जाट, समिति मेंबर एडवोकेट योगेन्द्र बूढ़पुर, राजकुमार बुडाना, अजीत भाड़ावास, गोविंद शहबाजपुर खालसा, महेश नंगली गोधा, प्रदीप जैतड़ावास सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन, फतेहाबाद ने तीन वर्गों में मारी बाज़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के कुशल निर्देशन में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026 का आयोजन शुक्रवार को पुलिस लाइन फतेहाबाद में उत्साहपूर्वक एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में मंडल के विभिन्न जिलों हांसी, हिसार, सिरसा, डबवाली सहित फतेहाबाद से आए कुल 72 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा और जागरूकता का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यासीं सिंगला, आईपीएस उपस्थित रहें। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 'सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन की सुरक्षा से जुड़ा एक गंभीर विषय है। यदि बच्चे और युवा आज से ही यातायात नियमों को समझेंगे और अपनाएंगे, तो भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आएगी।' उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में भी प्रेरित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करें। प्रतियोगिता को कुल चार स्तरों में आयोजित किया गया। प्रथम स्तर में कक्षा तीसरी से पांचवीं, द्वितीय स्तर में कक्षा छठी से आठवीं, तृतीय स्तर में कक्षा नौवीं से बारहवीं,

जबकि चतुर्थ स्तर में यूजी/पीजी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रत्येक स्तर में छह प्रतिभागियों की टीमें बनाई गईं, जिनमें कुल 12 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात संकेतों, हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व, नशे में वाहन चलाने के दुष्परिणाम तथा दुर्घटना रोकथाम जैसे विषयों पर आधारित प्रश्नों के सटीक उत्तर देकर अपनी जागरूकता और आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल एवं उपस्थित दर्शकों ने प्रतिभागियों की प्रशंसा की। परिणामों की घोषणा के अनुसार प्रथम स्तर (कक्षा 3-5) में जिला फतेहाबाद की टीम प्रथम रही। द्वितीय स्तर (कक्षा 6-8) में भी फतेहाबाद की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्तर (कक्षा 9-12) में जिला हांसी की टीम विजेता रही, जबकि चतुर्थ स्तर (यूजी/पीजी) में एक बार फिर फतेहाबाद की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यासीं सिंगला ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सड़क सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और जल्द ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

कंपनी कर्मचारी के साथ मारपीट कर नकदी व मोबाइल फोन छीनने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । थाना बावल पुलिस ने गत वर्ष अगस्त माह में एक कंपनी कर्मचारी के साथ मारपीट कर नकदी व मोबाइल फोन छीनने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव तेहड़का निवासी सचिन कुमार उर्फ धोलिया व यूपी के जिला हापुड़ के गांव निजामपुर हाल आबाद नजदीक रसियावास फाटक निवासी सागर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना हुआ मोबाइल फोन व वारदात में प्रयोग की एक बाइक को बरामद कर लिया है। जांचकर्ता ने बताया की गत वर्ष 31 अगस्त को रेलवे रोड बावल पर एक मकान में किराए पर रह रहे मूल रूप से एमपी के जिला ग्वालियर के गांव बिऔला निवासी ओमप्रकाश ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह बावल की एक कंपनी में कार्यरत है। 30 अगस्त 2025 की रात वह रेलवे पुल के पास एक दुकान से सामान खरीदने के बाद अपने कमरे पर जा रहा था। इसी दौरान

तीन लड़कों ने उसे एक ओर बुला लिया। तीनों उसे कच्चे रास्ते पर ले गए। उसके साथ मारपीट करते हुए उसकी जेब से नकदी निकाल ली। इन लोगों ने उसके मोबाइल फोन से यूपीआई के जरिए 1000/- रुपये ट्रांसफर करा लिए। उसके पास मौजूद उसके दोस्त के मोबाइल फोन से भी 1270/- रुपये ट्रांसफर करा लिए। आरोपियों ने उसके दोस्त का मोबाइल फोन छीन लिया, जबकि उसका मोबाइल फोन वही फेंककर तीनों अपनी बाइक लेकर फरार हो गए। जिस पर पुलिस ने थाना बावल में मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त दो आरोपी राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव तेहड़का निवासी सचिन कुमार उर्फ धोलिया व यूपी के जिला हापुड़ के गांव निजामपुर हाल आबाद नजदीक रसियावास फाटक निवासी सागर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना हुआ मोबाइल फोन व वारदात में प्रयोग की एक बाइक को बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस द्वारा इस मामले में अन्य आरोपी की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

श्याम सेवा की मिसाल, भटके बुजुर्ग को मिला अपनों का सहारा

जब सेवा बनी संजीवनी, खोया पिता मिला बेटे को, श्री श्याम मानव सेवा संस्थान का जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

मानवता और करुणा की मिसाल पेश करते हुए श्री श्याम मानव सेवा संस्थान की टीम ने एक लावारिस और असहाय बुजुर्ग को न केवल नया जीवन दिया, बल्कि उन्हें उनके परिवार से भी मिलवाया। यह भावुक कर देने वाली घटना कुछ माह पूर्व की है, जब संस्थान की टीम को सतनाली मोड़, महेंद्रगढ़ पर एक बुजुर्ग अत्यंत दयनीय अवस्था में मिले थे। उस समय बुजुर्ग मानसिक रूप से असंतुलित थे। शरीर कमजोर था, वस्त्र फटे हुए थे और आंखों में भय व अकेलापन साफ झलक रहा था। न उनके पास कोई पहचान थी, न नाम और न ही कोई अपना। ऐसी स्थिति में संस्थान ने उन्हें अपने संरक्षण में लेकर पूरे सम्मान और अपनत्व के साथ परिवार के सदस्य की तरह रखा।संस्थान द्वारा बुजुर्ग को नियमित चिकित्सकीय उपचार, समय पर दवाइयां, स्वच्छ वस्त्र और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। साथ ही प्रेम, धैर्य और आत्मीय व्यवहार से उनकी देखभाल की गई। धीरे-धीरे उनके स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति में

सुधार होने लगा।

कुछ समय बाद बुजुर्ग बोलने लगे, लोगों को पहचानने लगे और उनकी खोई हुई स्मृतियां लौटने लगीं। एक दिन उन्होंने अपना नाम लालचंद यादव बताया और अपने बेटे का नाम इंद्रजीत बताया। इस जानकारी के आधार पर संस्थान ने तत्परता से उनके परिवार से संपर्क किया। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद संस्थान ने बड़े ही सम्मान के साथ बाबा लालचंद को उनके बेटे इंद्रजीत को सौंप दिया। इंद्रजीत स्वयं संस्थान पहुंचे और अपने पिता को अपने गांव कुसाला वाली धानी, जिला झुंझुनू लेकर गए। पिता को वापस पाकर बेटे और परिजनों की खुशी देखने लायक थी। इस भावुक क्षण में वहां मौजूद कई लोगों की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. संदीप कुमार, मैनेजर पिंकी सैनी, योगेंद्र यादव, राजेश सिंह सहित संस्थान के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। संस्थान पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्य केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और श्याम बाबा की कृपा का सजीव उदाहरण है। संस्थान भविष्य में भी जरूरतमंद, बेसहारा और पीड़ित लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

घर-दुकान बंद कर बाहर जाने से पहले पुलिस को दें सूचना : एसपी सिद्धांत जैन

चोरी-नकबजनी रोकने को लेकर पुलिस की अहम एडवाइजरी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । प्रदेश में बढ़ती चोरी व नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में यह देखने में आ रहा है कि जब परिवार किसी कारणवश घर से बाहर चले जाते हैं और घर अथवा दुकानें लंबे समय तक बंद रहती हैं, तो असामाजिक तत्व ऐसे स्थानों को निशाना बनाकर चोरी व सेंधमारी की वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस और जनता के बीच आपसी सहयोग बेहद जरूरी है। यदि आमजन सतर्क रहें और समय रहते पुलिस को सूचना दें, तो अधिकांश वारदातों को पहले ही रोका जा सकता है। एसपी सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि जब भी वे अपने घर या दुकान को बंद कर किसी कारणवश बाहर जाने की योजना बनाएं—चाहे वह कुछ घंटों के लिए हो, एक दिन या कई दिनों के लिए—तो इसकी सूचना अपने नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर अवश्य दें। सूचना देते समय यह भी बताएं कि वे कब से कब तक बाहर रहेंगे तथा घर या दुकान का पूरा पता क्या है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पूर्व सूचना मिलने से पुलिस को संबंधित क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरतने में मदद मिलती है। रात्रिकालीन गश्त, बीट पुलिसिंग और आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मी ऐसे बंद घरों और दुकानों पर विशेष नजर रखते हैं, जिससे चोरी या किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कई बार लंबे समय तक घर या दुकान बंद रहने की जानकारी असामाजिक तत्वों तक पहुंच जाती है, जिसका वे गलत फायदा उठाते हैं। लेकिन यदि पुलिस को पहले से सूचना हो, तो ऐसे तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा सकती है और अपराध को होने से पहले ही विफल किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है और इसका उद्देश्य केवल नागरिकों की सुरक्षा करना है।

फॉर्मूला 1

रेड बुल ने सीजन 2026 के लिए पेश की अपनी नई लिवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेड बुल रेसिंग ने फॉर्मूला 1 2026 सीजन के लिए अपनी नई कार की लिवरी का खुलासा किया है। यह कार्यक्रम मिशिगन सेंट्रल स्टेशन में आयोजित किया गया। मिल्टन कीन्स स्थित इस टीम ने डेट्रॉइट शहर में शानदार अंदाज में अपनी नई डिजाइन पेश की। डेट्रॉइट फ़ोर्ड का गृहनगर है और रेड बुल इसी कंपनी के साथ मिलकर अपना पहला फॉर्मूला वन पावर यूनिट तैयार कर रही है। रेड बुल के पायलट मार्टिन सोनका ने एक अनोखा कारनामा किया। उन्होंने

हवाई जहाज से कार के ऊपर डली चादर को उड़ाकर हटाया और नई लिवरी को लोगों के सामने पेश किया। जब एनर्जी ड्रिंक बनाने वाली इस कंपनी ने साल 2005 में फॉर्मूला वन में कदम रखा था, तब कार पर चमकदार फिनिश का इस्तेमाल किया गया था। नई लिवरी उसी पुराने अंदाज की याद दिलाती है। टीम का कहना है कि आरबी22 की 2026 डिजाइन में इस्तेमाल किया गया 'हेरिटेज व्हाइट बेस' कार को ज़्यादा गहराई और साफ़ लुक देता है, जिससे 'सन एंड बुल' का मशहूर लोगो और भी उभरकर दिखता है। इस सीजन में इसैक हाजार चार बार के विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन के साथ टीम में शामिल होंगे। इसैक सिस्टर टीम रेसिंग बुल्स को छोड़ चुके हैं। रेड बुल ने आखिरी बार 2023 में टीम्स चैंपियनशिप जीती थी और अब टीम एक बार फिर विश्व खिताब जीतने की उम्मीद कर रही है।

बीबीएल

फिन एलन का तूफानी शतक, रेनेगेड्स पर जीत के साथ अगले दौर में स्कॉर्चर्स

मेलबर्न, एजेंसी। पर्थ स्कॉर्चर्स ने गुरुवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के 36वें मुकाबले को अपने नाम किया। इस टीम ने डॉकलैंड्स स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 50 रन से शानदार जीत दर्ज की। इस लीग में पर्थ स्कॉर्चर्स से पहले होबार्ट हरिकेंस और मेलबर्न स्टार्स अगले दौर में जगह बना चुकी हैं, जबकि एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी थंडर्स की टीमें खिताबी रेस से बाहर हैं। ऐसे में ब्रिस्बेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच अंतिम टिकट हासिल करने का मौका है। इस मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 219 रन बनाए।

इस टीम को मिशेल मार्श और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 7.1 ओवरों में 64 रन जुटाए। मार्श 20 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद एलन ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाते हुए टीम को 120 के स्कोर तक पहुंचाया। कोनोली 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जहां से एलन ने आरोन हार्डी के साथ तीसरे विकेट के लिए 18 गेंदों में 44 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। हार्डी 22 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद लॉरी इवांस ने 21 रन की पारी खेली। वहीं, फिन एलन 53 गेंदों में 8 छक्कों और 5 चौकों के साथ 101 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सैम इलियट ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डॉगेट, एडम जांपा और विल सदरलैंड ने 1-1 विकेट निकाला। विशाल स्कोर का पीछा करने उतरी मेलबर्न रेनेगेड्स 20 ओवरों के खेल तक 7 विकेट खोकर सिर्फ 169 रन ही बना सकी। इस खेमे से टिम सेफर्ट ने 43 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 66 रन बनाए। वहीं, जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 18 गेंदों में 5 छक्कों और 2 चौकों के साथ 42 रन जुटाए।

खिलाड़ियों के बॉयकॉट के बाद बीसीबी ने उठाया बड़ा कदम

ढाका, एजेंसी। बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और क्रिकेट गतिविधियों के पूरी तरह से बॉयकॉट के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने डायरेक्टर एम नजमुल इस्लाम को बोर्ड की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन के पद से हटा दिया है। यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा देश में बांग्लादेश प्रीमियर लीग सहित सभी तरह के क्रिकेट को रोकने के बाद लिया गया है।

एक मीडिया रिलीज में बीसीबी ने कहा कि यह फैसला प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने 'हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में' लिया है, और यह तुरंत प्रभावी होगा। द डेली स्टार के अनुसार बीसीबी ने कहा, 'यह फैसला बीसीबी संविधान के अनुच्छेद 31 के तहत बीसीबी प्रेसिडेंट को दी गई अथॉरिटी के अनुसार लिया गया है और इसका मकसद बोर्ड के मामलों के लगातार सुचारू और प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करना है।' अगले आदेश तक बुलबुल फाइनेंस कमेटी के कार्यवाहक चेयरमैन के रूप में काम करेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब गुरुवार को चटोग्राम रॉयल्स और नोआखली एक्सप्रेस के बीच बांग्लादेश प्रीमियर लीग का 25वां मैच रद्द कर दिया गया क्योंकि खिलाड़ियों ने अपना बॉयकॉट जारी रखा और मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आने से इनकार कर दिया। मैच दोपहर 1:00 बजे शुरू होना था और टॉस 12:30 बजे होना था। नजमुल को हटाने के बाद बोर्ड ने खिलाड़ियों से बॉयकॉट खत्म करने और बीसीबी में लौटने का आग्रह किया। रिलीज में आगे कहा गया है, 'बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस संबंध में बीसीबी को उम्मीद है कि सभी क्रिकेटर बांग्लादेश क्रिकेट की बेहतरी के लिए उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता और समर्पण का प्रदर्शन जारी रखेंगे और बांग्लादेश प्रीमियर लीग में लगातार भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे।'

डायरेक्टर नजमुल इस्लाम को हटाया

सूर्यकुमार यादव पर

100 करोड़ का मानहानि का केस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम हाल ही में एक विवाद से जुड़ गया है, जिसने सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी है। अभिनेत्री खुशी मुखर्जी के एक इंटरव्यू में दिए गए बयान के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने कड़ा रुख अपनाया है। अंसारी ने मुखर्जी के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है, यह आरोप लगाते हुए कि उनके दावों से न सिर्फ सूर्यकुमार यादव की छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया गया।

क्या है पूरा मामला

यह विवाद 13 जनवरी को सामने आया, जब खुशी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव उन्हें लगातार मैसेज करते थे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। हालांकि मुखर्जी ने यह भी कहा था कि उनके और सूर्यकुमार यादव के बीच कभी कोई निजी या रोमांटिक संबंध नहीं रहा, लेकिन उनके बयान को लेकर सवाल उठने लगे।

फैजान अंसारी ने क्यों उठाया कानूनी कदम

मुंबई निवासी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने इस बयान को गंभीर मानते हुए कानूनी कार्रवाई का फैसला किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

अंसारी का कहना है कि मुखर्जी के आरोप बेबुनियाद हैं और इससे एक राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर की साख को ठेस पहुंची है। स्नढ्ढक्रदर्ज कराने के लिए अंसारी खुद मुंबई से गाजीपुर पहुंचे, जिससे उनके इरादों की गंभीरता साफ झलकती है।

'यह सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट है' - अंसारी ने आरोप लगाया कि खुशी मुखर्जी ने जानबूझकर सूर्यकुमार यादव का नाम लिया ताकि उन्हें मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर सुर्खियां मिल सकें।

100 करोड़ रुपए का मानहानि मुकदमा

पत्रकारों से बातचीत में फैजान अंसारी ने बताया कि उन्होंने 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दायर करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम पूरी तरह तैयार है और इससे पहले भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया जा चुका है। अंसारी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं और वह इस मुद्दे को व्यापक स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

इंडिया ओपन

केंटा निशिमोटो को हराकर क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन, श्रीकांत और प्रणय बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ओपन 2026 में गुरुवार को पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन गुरुवार को टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत के लिए नाकाफी रहा। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को लक्ष्य सेन ने केंटा निशिमोटो को 21-19, 21-11 से मात दी। दूसरी ओर, श्रीकांत फ्रांस के बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए। वहीं, प्रणय को सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार का सामना करना पड़ा। केंटा निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए राह मुश्किल नजर आ रही थी। सेन पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और निशिमोटो के स्मैश को रोकने के लिए कुछ शानदार रक्षात्मक स्ट्रोक लगाते हुए वापसी की। उन्होंने लगातार पांच अंक जीतकर बढ़त बनाई और फिर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सेन ने अपनी गति में बदलाव किया और जब भी मौका मिला, हमला किया। जैसे-जैसे उनका आत्मविश्वास बढ़ा, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने हाफ स्मैश को चालाक ड्रॉप शॉट्स के साथ मिलाकर अपने प्रतिद्वंद्वी को भ्रमित रखते हुए 50 मिनट में जीत दर्ज की।

श्वेता त्रिपाठी ने बताया कैसे गोलू गुप्ता ने बदली उनकी किस्मत

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने मिर्जापुर - द मूवी की मुंबई शेड्यूल की शूटिंग पूरी की। इस बीच अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने इंटरव्यू में कहा कि फिल्म उनके लिए बेहद खास है। उनके किरदार गोलू गुप्ता ने उन्हें सिर्फ पहचान ही नहीं दी, बल्कि अंदर की ताकत और साहस भी दिया है। श्वेता के लिए यह किरदार उनके करियर का एक ऐसा मोड़ है, जिसने दर्शकों की उनकी सोच और उनके लिए उपलब्ध कहानियों को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, फिल्म की शूटिंग पूरी करना मेरे लिए एक भावनात्मक अनुभव रहा। गोलू गुप्ता का किरदार हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा और इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी। मेरा मानना है कि इस किरदार ने मुझे न केवल एक्टिंग में नई चुनौतियां दी हैं, बल्कि मुझे यह भी सिखाया कि कैसे एक महिला किरदार को पूरी गंभीरता और ताकत के साथ पर्दे पर पेश किया जा सकता है। उन्होंने कहा, मिर्जापुर को बड़े पर्दे पर लाना रोमांचक भरा अनुभव रहा। इस कहानी और इन किरदारों के लिए दर्शकों का प्यार बहुत गहरा है। शूटिंग के दौरान अपनी पुरानी टीम से फिर से मिलना, खासकर अली फजल से, जो मेरे लिए एक परिवार की तरह है, अच्छा लगा। गोलू के किरदार में वापस उतरना ऐसा था जैसे पुराने घर में नए अंदाज और नई ऊर्जा के साथ लौटना। मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक सिनेमाघरों में इस नए अध्याय का आनंद लें।

मिर्जापुर वेब सीरीज उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में मिर्जापुर जिले की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसकी कहानी अड़गड़ानंद कालीन त्रिपाठी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो यहां का डॉन और व्यापारी है। सीरीज का पहला सीजन दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ और इसने कई नए कलाकारों को पहचान दिलाई। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रासिका दुगल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा मुख्य भूमिकाओं में थे।

मां इंटी बंगारम में नजर आएंगी सामंथा

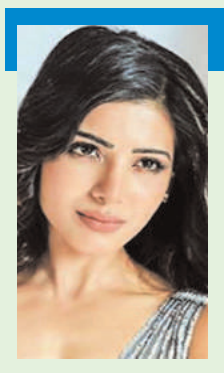

एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर बड़े परदे पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी आगामी फिल्म मां इंटी बंगारम का टीजर रिलीज हो गया है। 1 मिनट 47 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत एक शांत और भावनात्मक सीन से होती है। सामंथा अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ कहती हैं कि वह एक हफ्ते में सभी का दिल जीत लेंगी। वह एक आदर्श बहू बनने की कोशिश करती नजर आती हैं। ससुराल वालों के सामने वह मासूम, शांत और समझदार दिखती हैं, लेकिन कहानी यहीं तक सीमित नहीं रहती।

आज के दौर के मॉडर्न रिश्तों पर बेस्ड है शाहिद की कॉकटेल 2

बालीवुड एक्टर शाहिद कपूर इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर लगातार चर्चा में हैं। विशाल भारद्वाज के साथ उनकी चौथी फिल्म ओ रोमियो वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने जा रही है, वहीं इसी साल कॉकटेल 2 भी दर्शकों के सामने आएगी। एक ओर जहां ओ रोमियो में शाहिद अंडरवर्ल्ड बैकड्रॉप में नजर आएंगे, वहीं कॉकटेल 2 में उनका रोमांटिक और मॉडर्न अवतार देखने को मिलेगा।

स्पेन और मुंबई में हुई फिल्म की शूटिंग

कॉकटेल 2 को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस ने दिलचस्प कहानियों का कॉकटेल तैयार कर लिया है। एक वर्ग मानता है कि यह फिल्म पहली कॉकटेल की विरासत को आगे बढ़ाएगी, जहां शाहिद का किरदार वेरोनिका की जिंदगी में पुराने

दोस्त या नए पार्टनर के रूप में एंट्री कर सकता है। वहीं दूसरा बड़ा तबका मानता है कि यह फिल्म आज के दौर के मॉडर्न रिश्तों, हुकअप कल्चर और प्यार-दोस्ती की उलझनों को दिखाया जाएगा। ओ रोमियो की शूटिंग स्पेन और मुंबई के बोरीवली स्थित बाहुबली स्टूडियो में हुई।

शाहिद अब सेलेक्टिव रिस्क लेने वाले अभिनेता बन चुके हैं

कबीर सिंह की भारी सफलता के बाद शाहिद ने खुद को एक इंटेंस, एंग्री और इमोशनली ब्रोकन किरदारों के अभिनेता के रूप में स्थापित किया। ट्रेड एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शाहिद अब सेलेक्टिव रिस्क लेने वाले अभिनेता बन चुके हैं, जो सिर्फ स्टारडम नहीं बल्कि कंटेंट और क्रिटिकल वैल्यू को भी प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, लगातार डार्क और हिंसक भूमिकाओं का चयन उनके करियर में स्टोरियो टाइप का खतरा भी पैदा कर सकता है।

फिल्म के लिए शाहिद कपूर ने किया अपना ट्रांसफॉर्मेशन

विशाल भारद्वाज की मांग के अनुरूप शाहिद ने पिछले आठ महीनों में अपनी बॉडी को पूरी तरह बदल दिया है। यह बदलाव सिर्फ लुक के लिए नहीं, बल्कि किरदार की शारीरिक और मानसिक जरूरतों के हिसाब से किया गया है। शाहिद ने पारंपरिक बॉडी-बिल्डर लुक छोड़कर लीन और वायरी फिजीक पर फोकस किया, जो एक स्ट्रीट फाइटर और अंडरवर्ल्ड कैरेक्टर को ज्यादा प्रामाणिक बनाता है। इसके लिए उन्होंने कैलिस्थेनिक्स, फंक्शनल ट्रेनिंग और हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट अपनाए।

हुसैन उस्तरा और अशरफ खान की कहानी है ओ रोमियो

इंडस्ट्री के भीतर चल रही चर्चाओं के अनुसार... ओ रोमियो 80 के दशक के मुंबई अंडरवर्ल्ड के एक बेहद क्रूर और वास्तविक अध्याय से प्रेरित मानी जा रही है। मजबूत व्यापारिक थ्योरीज संकेत देती हैं कि शाहिद कपूर का किरदार कुख्यात गैंगस्टर हुसैन उस्तरा पर बेस्ड हो सकता है, जो अपनी निडरता और दाऊद इब्राहिम से सीधी दुश्मनी के लिए जाना जाता था। टीजर में तृप्ति डिमरी की मौजूदगी को अंडरवर्ल्ड की चर्चित शख्सियत अशरफ खान के किरदार से जोड़कर देखा जा रहा है। पति की हत्या का बदला लेने के लिए सपना दीदी ने हुसैन उस्तरा के साथ हाथ मिलाया था।

पेड नेगेटिव पीआर पर भड़कीं सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है।

सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है। सच्ची राय ही असली फीडबैक है, जो हमें बेहतर बनाती है। लेकिन, पेड पीआर के चक्कर में वह चीज खत्म हो जाती है।

द ब्लफ से पहले बर्फी से लेकर मैरी कॉम तक, इन फिल्मों में प्रियंका चोपड़ा ने निभाए दमदार किरदार

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द ब्लफ को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह एक अलग किरदार में नजर आएंगी, जहां वह अपने परिवार की रक्षा करती हुई नजर आएंगी। ऐसे में हम आपको प्रियंका चोपड़ा के उन किरदारों से मिलवा रहे हैं जिनके लिए उनकी काफी तारीफ हुई है।

द स्काई इस पिंक

द स्काई इस पिंक (2019) में प्रियंका चोपड़ा ने अदिति चौधरी नाम की एक मां का किरदार निभाया। इसमें वह खुश, दुखी और बहादुर दिखी हैं। फिल्म में वह अपनी बेटी के साथ सुखी और दुखी दोनों हुई हैं। उनकी दिल को छू लेने वाली अदाकारी की वजह से यह फिल्म उनकी सबसे भावुक फिल्मों में से एक बन गई है।

बाजीराव मस्तानी

बाजीराव मस्तानी (2015) में प्रियंका चोपड़ा ने काशीबाई नाम की महिला का किरदार निभाया। प्रियंका का यह किरदार गरिमा और सम्मान से भरा था। वह अपने प्यार को खोने का दुख चुपचाप सह रही थी। फिल्म में उन्होंने ऐसा अभिनय किया कि सिर्फ चेहरे के हाव-भाव से गहरा दुख जताया। फिल्म की कहानी में उनकी अदाकारी का बड़ा योगदान है।

मैरी कॉम

फिल्म मैरी कॉम (2014) में प्रियंका चोपड़ा ने बॉक्सर मैरी कॉम का किरदार निभाया है। इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने अपने अंदर कई बदलाव किए थे। उन्होंने जो किरदार निभाया वह एक एथलीट की मजबूती, लगन और मानसिक ताकत को दिखाती थी। इस किरदार को निभाते हुए उन्होंने एक मां और एक पत्नी का भी किरदार बखूबी निभाया।

बर्फी

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म बर्फी में प्रियंका चोपड़ा ने झिलमिल नाम की लड़की का किरदार निभाया। इसमें दिखाया गया है कि प्रियंका ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित होती हैं। इसमें उन्होंने शांत लेकिन दमदार अदाकारी की है। इसमें उन्होंने बिना बोले रणबीर कपूर से प्यार जताया है। दर्शकों को उनके हाव-भाव और चेहरे के एक्सप्रेशन पसंद आए।

फैशन

फिल्म फैशन (2008) में प्रियंका चोपड़ा ने मेघना माथुर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया जो किसी भी कीमत पर फैशन की दुनिया में एक सफल मॉडल बनना चाहती हैं। वह चमक-धमक की दुनिया में आकर अपना रास्ता भटक जाती है। फिल्म में उनके काम की खूब तारीफ हुई।

आठवीं बार डायरेक्शन की तैयारी में करण जौहर

बालीबुड के मशहा डायरेक्टर कराया जौहर एक बार फिर लीवुड के मशहूर डायरेक्टर करण जौहर एक बार फिर डायरेक्टोरियल फिल्म एक ग्रैंड स्केल फैमिली ड्रामा होगी, जो 2001 की सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के स्पेस में बनेगी। नए साल की शुरुआत में ही करण ने इसकी स्क्रिप्ट लॉक कर ली है। बताया जा रहा है कि यह धर्मा प्रोडक्शंस की थिएट्रिकल रिलीज के लिए सबसे बड़ी फिल्म साबित हो सकती है। करण जौहर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता के बाद फैमिली ड्रामा में वापसी कर रहे हैं। यह उनकी अब तक की सबसे भव्य फिल्म होगी, जिसमें हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ रोमांस और इमोशनल कोर मजबूत रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक... साल 2026 के मध्य में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू होगा और 2026 के अंत तक फिल्म फ्लोर पर जाएगी। फिल्म के टाइटल को लेकर भी खासी चर्चा है। फिल्म का टाइटल कभी खुशी कभी गम 2 हो सकती है। करण ने अपने डायरेक्टोरियल सफर की शुरुआत फिल्म कुछ कुछ होता है से की थी। अब तक वो कभी खुशी कभी गम, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, ऐ ऐ दिल है मुश्किल और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का निर्देशन कर चुके हैं।

'तान्हाजी' का सेकंड पार्ट बनाएंगे अजय देवगन?

अजय देवगन की साल 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' को रिलीज हुए आज छह साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अजय देवगन ने एक पोस्ट साझा की है। अब अजय की इस पोस्ट ने लोगों में ये उत्सुकता जगा दी है कि क्या 'तान्हाजी' का सेकंड पार्ट भी आ रहा है? क्या अजय देवगन एक बार फिर किसी मराठा योद्धा की कहानी को लेकर आने वाले हैं? अजय देवगन ने 'तान्हाजी' के छह साल पूरे होने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अजय ने फिल्म के अलग-अलग सीन के ऑयल पेंटिंग वाले पोस्टर साझा किए हैं। इनमें अजय के साथ काजोल, सैफ अली खान और शरद केलकर के भी पोस्टर नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही अजय देवगन के कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा है। अजय ने मराठी में कैप्शन लिखा, जिसका अर्थ है 'किला तो आ गया लेकिन शेर चला गया।' इसके साथ ही अजय ने कैप्शन में लिखा, 'लेकिन कहानी अभी पूरी नहीं हुई।' अजय के इस कैप्शन के बाद ही फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर कयास लगने लगे हैं।

साल 2020 में रिलीज हुई 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन भी ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफ अली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

बोमन ईरानी ने शुरू की खोसला का घोंसला 2 की शूटिंग

साल 2006 में रिलीज हुई अनुपम खेर की फिल्म 'खोसला का घोंसला' का सीक्वल की तैयारी शुरू हो चुकी है। हाल ही में इस फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग पर फिल्म की स्टार कास्ट नजर आई। बोमन ईरानी ने भी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। साथ ही फिल्म से जुड़ा एक अपडेट भी शेयर किया है।

बोमन ईरानी ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

बोमन ईरानी ने मंगलवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म 'खोसला का घोंसला' फिल्म का डायलॉग शेयर किया। यह उनके किरदार का कहा हुआ पॉपुलर डायलॉग है। जिसमें वह कहते हैं, 'आप पार्टी कर रहे हैं या ब्रोकर।' आगे अपनी पोस्ट में बोमन ईरानी लिखते हैं, 'खोसला का घोंसला 2 के सेट पर कमल खोसला और बंटी के साथ किशन खुराना के रूप में वापसी।'

अनुपम खेर ने भी शेयर की शूटिंग की बीटीएस पिक्चर्स

बोमन ईरानी से पहले अनुपम खेर ने फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' की शूटिंग से जुड़ी बीटीएस फोटो शेयर की थीं। इन फोटोज में रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और परवीन डब्बास और तारा शर्मा नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर ने बीटीएस फोटो शेयर करते हुए एक कैपशन भी लिखा, 'खोसला लौट आए हैं। मैं लगभग चार दशक से फिल्मों का हिस्सा रहा हूं लेकिन कभी भी मैंने किसी फिल्म के लिए इतना पागलपन नहीं देखा, जैसा खोसला का घोंसला के पार्ट 2 के लिए देखा है।'

अनुपम खेर की 550वीं फिल्म होगी 'खोसला का घोंसला'

कुछ दिन पहले जब फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' के बनने की बात अनुपम खेर ने शेयर की थी तो बताया था कि यह उनकी 550 वीं फिल्म है। फिल्म खोसला का घोंसला की बात करें तो इस दिबाकर बैनर्जी ने डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी में एक खोसला परिवार होता है, जिसको एक जमीन कब्जा करने वालों के बीच फंस जाते हैं। कैसे वह अपनी जमीन वापस हासिल करते हैं, इस कहानी को बड़े ही मजेदार और कॉमिक ढंग से दिखाया गया था।

राजू हिरानी की स्क्रिप्ट में इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं होती

झ्रस्टाइल के बंटू बनकर हंसी गुदगुदाने वाले, तो कभी 3 इडियट्स के राजू रस्तोगी बनकर दर्शकों की आंखें नम करने वाले शरमन जोशी एक सशक्त अभिनेता हैं। इस बातचीत में शरमन ने अपने करियर से जुड़े किस्से साझा किए।

स्टाइल कैसे बनी थी?

उस दौर में इस तरह की यूथफुल कॉमेडी फिल्में बहुत कम बनती थीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय निर्देशक एन. चंद्रा साहब को जाता है। उस समय वे अपने करियर के शिखर पर थे और उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी थी। हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि हमें उनके साथ काम करने का मौका मिला, क्योंकि वे अंकुश और प्रतिघात जैसी गंभीर फिल्मों के लिए जाने जाते थे। वहां से कॉलेज कॉमेडी की ओर मुड़ना उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। उन्होंने हमें बाकायदा एक महीने की ट्रेनिंग दी थी। हम रोज उनके ऑफिस जाते थे और थिएटर प्ले की तैयारी की तरह अभ्यास करते थे।

आज भी 3 इडियट्स का जादू वैसा ही बरकरार है, आप इसे कैसे देखते हैं?

क्या ही कहें! आज भी जब लोग मुझसे मिलते हैं, तो कहते हैं कि उन्होंने यह फिल्म 20-20 बार देखी है। अभी मैं भूटान में हूं और यहां मेरे सामने बैठी एक बेहद शर्मीली लड़की ने बताया कि उसने यह फिल्म 20 बार देखी है। लोग जब मिलते हैं, तो ऐसी बातें करते हैं मानो उन्होंने कल ही यह फिल्म देखी हो। इस फिल्म का असर लोगों पर बहुत गहरा है और आज भी जो प्यार मुझे मिलता है, उसे देखकर लगता ही नहीं कि 16 साल बीत चुके हैं।

क्या राजू के किरदार के लिए अपनी तरफ से कुछ क्रिएटिव इनपुट दिए थे?

अरे नहीं-नहीं, मेरी इतनी हिम्मत कहां! राजू हिरानी सर की स्क्रिप्ट को लेकर इतनी जबरदस्त स्पष्टता थी कि किसी भी तरह के इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं थी। उन्होंने हर चीज इतनी बारीकी से सोची थी कि हमें बस उसे निभाना था। हां, एक छोटा-सा किस्सा है, जब मैं राजू सर के साथ थोड़ा कंफर्टेबल हो गया, तब फिल्म के अंत में जब मिलीमीटर सालों बाद मिलता है, रिहर्सल के दौरान मैंने कहा... सर, यह तो अब सेंटीमीटर बन गया है।

क्या थिएटर आपकी फिल्मी परफॉर्मेंस में भी मदद करता है?

बिल्कुल ! मेरा मानना है कि जैसे गायक रियाज करते हैं, वैसे ही एक्टर्स के लिए थिएटर एक तरह का रियाज है। मैंने यह महसूस किया है कि जब मैं कोई प्ले कर रहा होता हूं और उसी दौरान फिल्म के सेट पर जाता हूं, तो मेरी टाइमिंग और सेंस कहीं ज्यादा बेहतर हो जाते हैं। चाहे वह कॉमेडी सीन हो या ड्रामा, थिएटर से मिलने वाली वह अलर्टनेस हर जगह काम आती है। फिल्मों या ओटीटी में आपके पास रीटेक का विकल्प होता है। अगर शॉट ठीक नहीं हुआ, तो उसे दोबारा किया जा सकता है, इसलिए आप थोड़ा रिलैक्स मोड में रहते हैं। लेकिन थिएटर में गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती। वहां आप हर समय अलर्ट रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में तापमान -4.6°

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में गुरुवार रात इस सीजन की सबसे ठंडी रही। यहां का तापमान -4.6°C रहा। वहीं, हरियाणा के हिसार में सर्दी से पिछले दो साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां का तापमान 0.2 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के 35 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे की वजह से 24 घंटे में पूरे यूपी में 8 हादसे हुए। इन हादसों में 24 गाड़ियां टकराईं। हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हुई वहीं 40 लोग हायल हो गए। पंजाब के जालंधर में कोहरे के चलते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आज का दौरा रद्द हो गया है। उनकी फ्लाइट अमृतसर से टेकऑफ नहीं कर सकी। उन्हें जालंधर NIT में दीक्षांत समारोह में शामिल होना था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तरकाशी में गंगोत्री नेशनल पार्क, भागीरथी नदी और जाड गंगा झरना जम चुका है। उधर, दिल्ली में पांच दिन की शीतलहर के बाद सर्दी से थोड़ी राहत मिली। शहर का न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो एक दिन पहले के मुकाबले लगभग दो डिग्री ज्यादा था।

सांसद चंद्रशेखर के करीबी की ड्रग फैक्ट्री पर छापा

रतलाम। रतलाम जिले के चिकलाना गांव में पुलिस ने एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। कालूखेड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात करीब ढाई बजे की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 10 किलो से अधिक तैयार एमडी ड्रग, करीब 3 करोड़ रुपए मूल्य का केमिकल, 12 बोर की बंदूक, 91 कारतूस, दो मोर और चंदन की लकड़ियां बरामद की हैं। पुलिस ने छापे के दौरान 16 लोगों को हिरासत में लिया। करीब 12 घंटे तक चली कार्रवाई के बाद शुक्रवार दोपहर 3 बजे घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया। महिलाओं को भी गिरफ्तार कर सीधे कालूखेड़ा थाने ले जाया गया। इस दौरान गांव में भारी पुलिस बल तैनात रहा। ग्रामीण आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग करते रहे। जब आरोपियों को पुलिस वाहन में बैठाया जा रहा था, तब ग्रामीणों ने "जय जय श्री राम" के नारे भी लगाए। पुलिस के अनुसार, जिस मकान में फैक्ट्री चल रही थी, वह दिलावर खान पठान का है। दिलावर चिकलाना गांव का निवासी है और आजाद समाज पार्टी से जुड़ा रहा है। वह यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर का करीबी बताया जा रहा है। दिलावर 2023 में जावरा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुका है और पार्टी का प्रदेश पदाधिकारी भी रहा है।

गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला किया

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में एक युवक के पवित्र सरोवर में कुल्ला करते हुए रील बनाई गई है। वीडियो को 'मुस्लिम शेर' लिखकर सोशल मीडिया पर डाला गया है। जो युवक कुल्ला करता दिखाई दे रहा है, उसे मुस्लिम टोपी पहनी हुई है। ये वीडियो सामने आने के बाद इसका विरोध शुरू हो गया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि वीडियो की जांच होगी। अगर यह ओरिजिनल है तो फिर उस वक्त सेवादार कहां थे, इसकी जांच की जाएगी। बता दें कि SGPC की तरफ से पहले ही धार्मिक भावनाओं को देखते हुए गोल्डन टेंपल परिसर में रील बनाने को लेकर रोक लगाई गई है। इसके लिए वहां सेवादारों की ड्यूटी लगाई गई है कि वे किसी को वहां इस तरह का आपत्तिजनक वीडियो न बनाने दें। इस संबंध में 13 सेकेंड की रील वायरल हो रही है। इसमें दिख रहा है कि गोल्डन टेंपल के सरोवर में एक युवक पैर डालकर बैठा है और मुंह धो रखा है। इस दौरान वह 3 बार मुंह में पानी भरकर कुल्ला करता है और एक बार उस पानी को दोबारा सरोवर में ही थूक देता है। इसके बाद वह मुंह धोता है और फिर अंगुलियों से सामने गोल्डन टेंपल को भी दिखाता है। इस दौरान युवक ने काले रंग की जैकेट और जींस पहनी है और सिर पर काले रंग की मुस्लिम टोपी पहनी हुई है। SGPC के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि सचखंड श्री हरिमंदर साहिब के पावन सरोवर में युवक की तरफ से की गई हरकत मर्यादा के विपरीत है। उन्होंने इस हरकत की निंदा करते हुए कहा कि गोल्डन टेंपल सिख धर्म का सर्वोच्च और अत्यंत पवित्र धार्मिक स्थल है। इस तरह की घटनाओं से सिखों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा कि श्री हरिमंदर साहिब सिर्फ सिखों ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आस्था का प्रतीक है। यहां मर्यादा, परंपरा और नियमों का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए। इससे पहले गोल्डन टेंपल में गुजरात की एक युवती के योगा करने पर विवाद हो चुका है। 2 साल पहले इंटरनेशनल योग दिवस पर अर्चना मकवाना नाम की युवती ने गोल्डन टेंपल में योग कर उसकी फोटो शेयर कर दी थीं। इसमें वह ध्यान और शीर्ष आसन में नजर आ रही है। यह योगासन उसने गोल्डन टेंपल के परिक्रमा मार्ग में किए। इसके बाद उसने खुद ही यह फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि वह वाहेगुरू जी का शुक्रिया करती है कि उसे उनके स्थान से योगा की पावर को फैलाने में मदद मिली। SGPC के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा था कि गोल्डन टेंपल में इस तरह के काम करना सिख मर्यादा के खिलाफ है। इस मामले में SGPC ने युवती के खिलाफ FIR भी दर्ज कराई थी।

अश्लील कमेंट्स से विवादों में घिरे यो यो हनी सिंह

लुधियाना। मशहूर सिंगर-रैपर यो यो हनी सिंह अब नए विवाद में घिर गए हैं। 2 दिन पहले दिल्ली कॉन्सर्ट में स्टेज से उन्होंने ठंड के बहाने खुलेआम अश्लील बातें करनी शुरू कर दीं। इस दौरान फैंस उनका वीडियो बनाते रहे और वह युवाओं को अश्लीलता के लिए उकसाते रहे। वीडियो वायरल होने के बाद पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी भड़क गए। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा- यो यो हनी सिंह ने सभी हदें पार कर दी। मैं इसके बारे में कहना नहीं चाहता था लेकिन इसने सभी सीमाएं लांघ दी इसलिए कहना पड़ा। यह फिर से शुरू हो गया है और अब यह रुकने वाला नहीं है। जस्सी ने कहा कि मेरी हनी सिंह के माता पिता व बहन से अपील है कि आप लोगों के कहने से यह रुक सकता है नहीं तो यह आगे बढ़ता जाएगा और इससे एक गलत मैसेज चला जाएगा। हालांकि विवाद बढ़ने पर हनी सिंह ने माफी मांग ली। हनी सिंह इससे पहले भी गानों में अश्लील डांस और शब्दों को लेकर विवादों में रह चुके हैं। हालांकि 2014 से 2018 तक वो म्यूजिक इंडस्ट्री से गायब रहे। फिर उन्होंने इसकी वजह डिप्रेशन, एंग्जाइटी व मानसिक परेशानी बताई थी। कुछ दिन पहले ही हनी सिंह के एक पुराने गीत को लेकर जालंधर के भाजपा नेता ने DGP को शिकायत भी भेजी थी। जिसमें उन्होंने हनी सिंह के गाने में अश्लील डांस और बिकिनी गर्ल्स को लेकर कड़ा एतराज जताया था। पहले दी गाली, फिर अश्लील बातें करने लगेः 14 जनवरी की रात को कड़ाके की ठंड में यो-यो हनी सिंह का कॉन्सर्ट था। बड़ी गिनती में लोग वहां पहुंचे थे और हनी सिंह गा रहे थे। इसी बीच वो रुके और फिर दिल्ली की ठंड का जिक्र करने लगे।

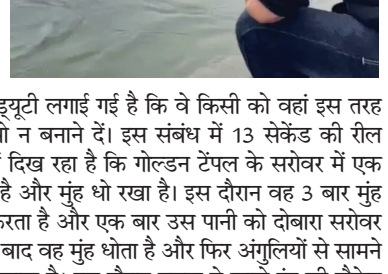

30 साल के बाद मुंबई में ठाकरे परिवार सत्ता से बाहर

एजेंसी, मुंबई

- मुंबई में पहली बार बीजेपी का मेयर बन सकता है, 4 साल से चुनाव न होने से पद खाली

मुंबई के इतिहास में पहली बार भाजपा का मेयर हो सकता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव रिजल्ट में भाजपा गठबंधन को कुल 227 सीटों में से 118 सीटों पर बढ़त हासिल है। जिसमें से भाजपा 90, शिवसेना शिंदे 28 सीटों पर आगे चल रही है। आजादी के बाद 77 सालों से मुंबई नगर निगम पर कांग्रेस और शिवसेना का ही कब्जा रहा है। 1947 से 1967 तक यानी 20 साल तक कांग्रेस का मेयर रहा। वहीं 1992 से लेकर 2022 यानी 30 सालों तक मेयर की कुर्सी पर शिवसेना काबिज रही। पिछले नगर निगम चुनाव फरवरी 2017 में हुए थे। मुंबई के मेयर का पद संभालने वाली आखिरी शख्स शिवसेना की किशोरी पेडनेकर थीं, जिन्होंने 22 नवंबर 2019 से 8 मार्च 2022 तक यह पद संभाला था। हालांकि तब शिवसेना में बंटवारा नहीं हुआ था। उसके बाद से यह पद खाली था। तब से, BMC के प्रशासन की जिम्मेदारी नगर आयुक्त संभाल रहे हैं।

कैसे होता है मेयर का चुनावः बीएमसी में अलग-अलग वार्डों से चुनकर कुल 227 पार्षद आते हैं, जिन्हें मुंबई में नगर सेवक या फिर कॉरपोरेटर कहा जाता है। जिस पार्टी का बहुमत होता है, उसी की मेयर पद की उम्मीदवारी में सबसे बड़ी दावेदार होती है। नगर निकाय चुनाव में जीतकर आने वाले पार्षद ही मेयर का चुनाव करते हैं। मेयर का कार्यकाल 2.5 साल का होता है, वहीं पार्षद 5 साल के लिए चुने जाते हैं। एक मेयर का कार्यकाल पूरा होने के बाद दूसरे मेयर का चुनाव होता है।

मेयर के पास क्या-क्या पावर होती हैः बीएमसी में मेयर और कमिश्नर दो पद सबसे बड़े होते हैं। मेयर नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। शहर का औपचारिक प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रस्तावों और बहसों पर चर्चा करते हैं। मतलब मेयर का काम ज्यादातर औपचारिक और प्रतिनिधित्व तक सीमित होता है। जबकि असली प्रशासनिक और कार्यकारी जिम्मेदारी कमिश्नर के पास होती है। कमिश्नर शहर का रोजमर्रा प्रशासन चलाते हैं। बजट, शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और कर्मचारियों का कंट्रोल उनके हाथ में होता है। कमिश्नर आम तौर पर IAS अधिकारी होते हैं।

BMC चुनाव क्यों है खासः 74,000 करोड़ रुपए के बजट वाली एशिया की सबसे बड़ी सिविक बॉडी BMC पर बिना बंटे शिवसेना ने (1997-2017) तक राज किया था। तब BJP उसकी सहयोगी थी।

अमेरिकी सांसद ने पूछा- क्या आदमी प्रेग्नेंट हो सकता है

- भारतवंशी डॉक्टर बोलीं– ये पॉलिटिकल सवाल, कई पेशेंट ऐसी जो खुद को महिला नहीं मानतीं

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका की सीनेट में हुई एक सुनवाई के दौरान प्रेग्नेंसी और जेंडर को लेकर तीखी बहस हुई। इस दौरान भारतीय मूल अमेरिकी स्त्री रोग एक्सपर्ट डॉ. निशा वर्मा ने इस सवाल का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं। सुनवाई के दौरान रिपब्लिकन सांसद जोश हॉले ने डॉ. वर्मा से पूछा था की- 'क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं?' इस पर डॉ. वर्मा ने सीधा हां या ना में जवाब नहीं दिया। उन्होंने इसे पॉलिटिकल सवाल बताया। डॉ. वर्मा ने कहा कि वे ऐसे मरीजों का इलाज करती हैं जो खुद को महिला नहीं मानते। दरअसल गुरुवार को अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 'हेल्थ, एजुकेशन, लेबर और पेंशंट कमेटी' की सुनवाई हुई। इसका मकसद 'महिलाओं की सुरक्षाः केमिकल अबॉर्शन दवाओं के खतरों को उजागर करना' था। डॉ. निशा वर्मा डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से गवाही देने पहुंची थीं।

सीनेटर जोश हॉले- क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस सवाल का मकसद क्या है। सीनेटर जोश हॉले- इसका मकसद एक जैविक सच्चाई को समझना है। क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मैं ऐसे लोगों का इलाज करती हूं जिनकी पहचान अलग-अलग होती है। सीनेटर जोश हॉले- क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं?

डॉ. निशा वर्मा- जैसा कि मैं कह रही हूंः सीनेटर जोश हॉले- आपने कहा कि विज्ञान और सबूतों से फैसले होने चाहिए। क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? आप डॉक्टर हैं। डॉ. निशा वर्मा- विज्ञान और सबूतों से ही इलाज को दिशा मिलनी चाहिए। सीनेटर जोश हॉले- क्या विज्ञान और सबूत यह बताते हैं कि पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मुझे लगता है कि ऐसे हां-ना वाले सवाल राजनीति के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह- बैठने वाली सीट के नाम नदियों पर

एजेंसी, नई दिल्ली

- बीटिंग रिट्रीट की गैलरी भी वाद्ययंत्रों के नाम पर होगी, सीट से वीआईपी, वीवी आईपी का स्टिकर हटेगा

गणतंत्र दिवस समारोह में केंद्र सरकार सालों से चले आ रहे VIP कल्चर को खत्म करने जा रही है। परेड देखने के लिए आए मेहमानों की कुर्सियों पर अब VVIP, VIP और डिग्निटी नहीं लिखा होगा। इसकी जगह नदियों के नामों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए गैलरी का नाम संगीत वाद्ययंत्रों के नाम पर रखा है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सरकार का मानना है कि इस बदलाव से आम आदमी और वीआईपी के बीच अंतर कम होगा। भारतीय संस्कृति, विरासत और समानता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हर नागरिक खुद को बराबर महसूस कर सकेगा।

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष 77वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथिः यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट, उर्सुला वॉन डेर लेयेन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (EU) 2004 से रणनीतिक साझेदार हैं।

नीदरलैंड से मां को ढूंढने भारत आए मेयर कहा- कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार

एजेंसी, एम्स्टर्डम

- 41 साल पहले मां ने शेल्टर होम में छोड़ा था

नागपुर में साल 1985 में एक अविवाहित मां ने अपने 3 दिन के बच्चे को एक शेल्टर होम में छोड़ दिया था। एक महीने बाद नीदरलैंड से भारत घूमने आए एक कपल ने उसे गोद ले लिया और अपने साथ ले गए। इस घटना को 41 साल बीत चुके हैं। वह बच्चा अब नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम के पास एक शहर हीमस्टेड का मेयर बन गया है। हीमस्टेड के मेयर फाल्गुन बिन्नेन्डिज्क अब अपनी मां को ढूंढना चाहते हैं। वे आखिरी बार दिसंबर 2025 में भारत आए थे। ये जानकारी अब सामने आई है। फाल्गुन का कहना है- मैंने महाभारत पढ़ी है और मुझे लगता है कि हर कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार है। मैं अपनी मां से सिर्फ एक बार मिलना चाहता हूं और बताना चाहता हूं कि मुझे बड़े प्यार से बड़ा किया गया है।

शेल्टर होम की नर्स ने 'फाल्गुन' नाम रखाः फाल्गुन का जन्म 10 फरवरी, 1985 में हुआ। उनकी मां उन्हें नागपुर के 'मातृ सेवा संघ' नाम के एक शेल्टर होम में छोड़ गई थीं, जहां वे करीब एक महीने तक रहे। शेल्टर होम की नर्स ने उन्हें फाल्गुन नाम दिया। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक, फाल्गुन महीने में ही बच्चे का जन्म हुआ था। फाल्गुन 2025 में तीन बार भारत आए। उन्हें एक अधिकारी की मदद से शेल्टर होम की उस नर्स का पता चला, जो फाल्गुन के जन्म के समय वहां काम करती थीं। वे अब रिटायर हो चुकी हैं। फाल्गुन अगस्त 2025 में नागपुर आए थे। नागपुर कलेक्टर विपिन इटांकर की मदद से वे उस नर्स के घर भी गए, जहां उन्हें पता चला कि उनका नाम नर्स ने ही रखा था। नर्स से मिलकर फाल्गुन ने कहा, 'मैं उनसे मिलकर बहुत खुश हुआ। उस महिला से मिलना एक कभी न भूलने वाला अनुभव था, जिसने मुझे मेरी पहचान दी।'

समाज के डर से फाल्गुन को अविवाहित मां ने छोड़ा थाः नागपुर नगर पालिका आयुक्त अभिजीत चौधरी ने फाल्गुन के जन्म से जुड़े दस्तावेज ढूंढने में मदद की। दस्तावेजों में ये जानकारी सामने आई कि फाल्गुन की मां एक 21 साल की अविवाहिता थीं, जो समाज के डर से उनका पालन-पोषण नहीं कर सकती थीं। इसलिए उन्हें शेल्टर होम में छोड़ गईं। दस्तावेजों में फाल्गुन और उनकी मां का नाम दर्ज है। हालांकि फाल्गुन ने उनकी मां का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। मातृ सेवा संघ अनाथ बच्चों और पीड़ित महिलाओं के लिए बनाया गया एक शेल्टर होम है। शेल्टर होम के अधिकारियों के मुताबिक यहां अक्सर अविवाहित माताएं अपने नवजात बच्चों को छोड़ जाती हैं। फाल्गुन नीदरलैंड में डच दंपत्ति के घर पले-बढ़े। उन्होंने छोटी उम्र में ही ये बात जान ली थी कि उनकी जड़ें भारत में है। बचपन में उन्हें भारत के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन जैसे-जैसे वे बड़े हुए, उनके मन में अपनी मां से मिलने की इच्छा जागने लगी। फाल्गुन 2006 में पहली बार भारत आए। उन्होंने दक्षिण भारत की यात्रा की और वहां तरह-तरह के पकवान भी खाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें पहली बार भारत आकर ही भारतीय संस्कृति से जुड़ाव महसूस होने लगा। फाल्गुन को लगा कि वे भारत की जगहों और लोगों को काफी समय से जानते हैं।

बीजेपी को 20 जनवरी को नया अध्यक्ष मिलेगा, चुनाव नोटिफिकेशन जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

- कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का चुना जाना लगभग तय

भाजपा को 20 जनवरी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। पार्टी ने इसके लिए शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी किया। इसके मुताबिक 19 जनवरी को नामांकन भरा जाएगा। 20 जनवरी को नए पार्टी अध्यक्ष का ऐलान होगा। अभी नितिन नबीन पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। पार्टी उन्हें ही निर्विरोध अध्यक्ष चुन सकती है। न्यूज एजेंसी ANI ने 13 जनवरी को सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन भरेंगे। नितिन नबीन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया था। भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। तब से वे एक्सटेंशन पर थे। नड्डा अभी केंद्र में स्वास्थ्य मंत्रालय संभाल रहे हैं।

BJP के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर ने शेड्यूल जारी कियाः बीजेपी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के लक्ष्मण ने चुनाव का शेड्यूल जारी किया। इसके मुताबिक, पार्टी प्रमुख के चुनाव के लिए नॉमिनेशन 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच भरे जाएंगे और उम्मीदवार उसी दिन शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं। लक्ष्मण ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो 20 जनवरी को वोटिंग होगी और उसी दिन नए चुने गए राष्ट्रीय अध्यक्ष की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में ही होगी।

अगर नितिन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, तो सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगेः फिलहान नितिन नबीन को पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। उनकी उम्र 45 साल है। भविष्य में नितिन को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले सबसे युवा नेता होंगे। नितिन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के साथ ही भाजपा में 80% युवाओं को आगे लाने का रास्ता साफ हो गया है।

इंदौर में राहुल गांधी की मीटिंग को नहीं मिली मंजूरी

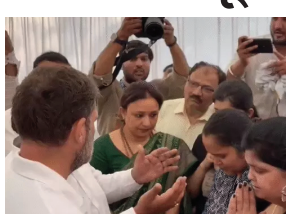

- अब सिर्फ बॉम्बे हॉस्पिटल और भागीरथपुरा जाएंगे, दूषित पानी से अब तक 24 मौतें

एजेंसी, भोपाल

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत के बाद हालात का जायजा लेने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार 17 जनवरी को इंदौर आ रहे हैं। हालांकि, इस दौरान इंदौर में कांग्रेस नेताओं और नगरीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित बैठक को प्रशासन से अनुमति नहीं मिल पाई है। कांग्रेस ने प्रदेशभर के पार्षदों, महापौरों, नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के साथ राहुल गांधी की बैठक के लिए अभय प्रशाल और आनंद मोहन माथुर सभागार में कार्यक्रम प्रस्तावित किया था। इसके लिए करीब एक हजार लोगों की मौजूदगी की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने बैठक को मंजूरी नहीं दी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण बैठक को रद्द करना पड़ा है।

हरकी पैड़ी पर 'अहिन्दू प्रवेश निषेध क्षेत्र' के पोस्टर

एजेंसी, हरिद्वार

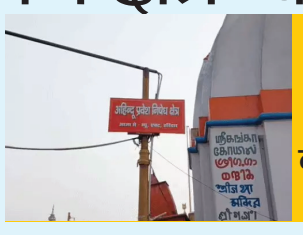

- हिंदू संगठन बोला- गैर हिंदू सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों की एंट्री बैन हो, 1916 के एक्ट का हवाला

हरिद्वार में 2027 में अर्धकुंभ होने वाला है, लेकिन इससे पहले ही इस क्षेत्र में गैर हिंदुओं के एंट्री बैन करने की मांग तेज हो गई है। इसी बीच आज हरिद्वार की हरकी पैड़ी क्षेत्र में 'अहिन्दू का प्रवेश निषेध क्षेत्र, आज्ञा से म्यूनिसिपल एक्ट हरिद्वार' लिखे करीब 12 पोस्टर लगाए गए हैं। गंगा सभा की तरफ से ये पोस्टर घाट किनारे अलग-अलग जगहों पर लगाए गए हैं, जिसके बाद गैर-हिंदुओं की एंट्री को लेकर विवाद फिर से तेज हो गया है। घाटों की व्यवस्थाएं देखने वाली संस्था गंगा सभा ने इस मुद्दे पर खुलकर अपना रुख सामने रखा है। संस्था का कहना है कि हरकी पैड़ी और ब्रह्म कुंड क्षेत्र सनातन आस्था का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां पवित्रता और व्यवस्थाओं को बनाए रखना जरूरी है। इस मामले पर दैनिक भास्कर एप ने गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम से बात की। उन्होंने कहा कि यह कोई नई पहल नहीं है, बल्कि 1916 के म्यूनिसिपल एक्ट/बायलॉज की जानकारी सार्वजनिक की गई है, ताकि किस क्षेत्र में क्या नियम लागू हैं, इसे लेकर किसी तरह का भ्रम ना रहे। कानून की जानकारी सार्वजनिक करना जरूरी- गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि किस क्षेत्र में क्या कानून लागू हैं, यह जानकारी सभी को होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से हरकी पैड़ी क्षेत्र में पोस्टर लगाए गए हैं।

ममता बनर्जी ने सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किया

एजेंसी, कोलकाता

- साधु संत भी कार्यक्रम में हुए शामिल, पिछले महीने दुर्गा मंदिर की नींव रखी थी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किया। करीब 18 एकड़ जमीन पर तैयार हो रहा यह मंदिर उज्जैन के श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से ही जाना जाएगा। कार्यक्रम में साधु-संत भी शामिल हुए। बीते 30 दिसंबर को कोलकाता के न्यू टाउन में ममता बनर्जी ने दुर्गा आंगन नाम के एक बड़े दुर्गा मंदिर की नींव रखी थी। इस दौरान उन्होंने भाषण में इस मंदिर का जिक्र करते हुए कहा था कि मंदिर के निर्माण के लिए जरूरी धनराशि जुटा ली गई है। मंदिर के निर्माण से सिलीगुड़ी में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, इस कार्यक्रम को लेकर उत्तर बंगाल की राजनीति गरमा गई है। गुरुवार को दार्जिलिंग के सांसद और भाजपा के केंद्रीय प्रवक्ता राजू बिष्ट ने सिलीगुड़ी में पत्रकार वार्ता कर कहा कि मंदिर का निर्माण ट्रस्टी बोर्ड के माध्यम से होने की बात कही जा रही है, लेकिन पूरा आयोजन सरकारी बैनर तले हो रहा है।

कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' की नींव रखीः बीते 30 दिसंबर को कोलकाता के न्यू टाउन में ममता बनर्जी ने दुर्गा आंगन नाम के एक बड़े दुर्गा मंदिर और सांस्कृतिक परिसर की नींव रखी थी। यह देश का सबसे बड़ा दुर्गा मंदिर परिसर होगा। जो 15 एकड़ में बनकर तैयार होगा। इस मंदिर में रोजाना 1 लाख श्रद्धालु दर्शन कर पाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com